मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 103
शनिवार, 25 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आंध्र प्रदेश में हैदराबाद-बेंगलुरु बस में आग लगने से 20 लोगों की मौत, पीएम ने जताया दुख, मुआवजे की घोषणा

कुरनूल, 24 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल ज़िले के चिन्नातेकुर के पास शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल बस में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से 18 यात्रियों की जीवित पहचान हो गई है। पुलिस ने कहा कि कई शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह घटना सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। बस और दोपहिया वाहन की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग पहले बस के अगले हिस्से में लगी और फिर तेजी से फैल गई। आग बढ़ने पर 12 यात्री आपातकालीन निकास द्वार तोड़कर मामूली चोटों के साथ बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जब यह हादसा हुआ, उस समय इलाके में भारी बारिश हो रही थी, जिसके कारण यह टक्कर हुई होगी। आग में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अधिकारी आग लगने के कारणों की जाँच कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में बस में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर शुक्रवार को दुख व्यक्त किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में दुर्घटना के कारण हुई जनहानि से अत्यंत दुःखी हूं। कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट हैदराबाद की ओर जा रही एक निजी बस और एक दोपहिया वाहन के बीच टक्कर के बाद बस में आग लग जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उन्होंने कहा, प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। शुरूआती खबर के अनुसार, एक मोटरसाइकिल और बस की टक्कर हो गई और मोटरसाइकिल के बस के नीचे आने के बाद दोपहिया वाहन घसीटा गया और उसके ईंधन का ढक्कन खुलने से बस में आग लग गई।

पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ कोई भी दुस्साहस करने से पहले दो बार सोचेगाः राजनाथ सिंह

जैसलमेर, 24 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को जैसलमेर के लोंगेवाला के पास तनोट माता मंदिर का दौरा किया और पूजनीय मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा श्री तनोट राय माता मंदिर परिसर पर गिराए गए बिना फटे बमों को देखा, जो उल्लेखनीय रूप से फटे नहीं थे। यात्रा के बाद, सिंह ने लोंगेवाला सीमा पर चल रहे थार शक्ति अभ्यास का अवलोकन किया। राजस्थान अभ्यास थार शक्ति एक भारतीय सेना का अभ्यास है जो रेगिस्तानी इलाकों में भूमि-आधारित युद्ध पर केंद्रित है।

गुरुवार को, सिंह ने जैसलमेर में शौर्य वन का उद्घाटन किया,

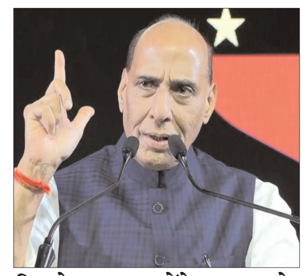

जिसके बाद उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध संग्रहालय का भी दौरा किया। सिंह ने शौर्य वन के मुख्य आकर्षण को भी देखा। शौर्य वन थार रेगिस्तान में एक नया प्रकाश और ध्वनि शो है प्रकाश एवं ध्वनि शो जैसलमेर स्थित 1971 भारत-पाक संग्रहालय में आयोजित किया जाता है। इस बीच, जैसलमेर में बड़ाखाना के दौरान सैनिकों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ कोई भी दुस्साहस करने से पहले दो बार सोचेगा क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्हें कड़ी चेतावनी दी है।

यह दोहराते हुए कि ऑपरेशन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि रुका हुआ है, रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसने कोई दुस्साहस किया तो उसे और भी कठोर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे पायलटों ने पाकिस्तान के सामने भारत की ताकत का केवल एक प्रदर्शन किया है। अगर मौका मिला, तो वे हमारी असली ताकत का प्रदर्शन करेंगे। यह बताते हुए कि देश के विरोधी कभी निष्क्रिय नहीं होते, राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को सतर्क और तैयार रहने तथा उनकी गतिविधियों के खिलाफ उचित और प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया।

राजस्थान के ब्यावर में सड़क हादसा, एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

ब्यावर, 24 अक्टूबर। राजस्थान के ब्यावर जिले में बृहस्पतिवार शाम हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ब्यावर-मसूदा मार्ग पर यह हादसा तेज रफ्तार ट्रेलर और टैम्पो की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ। इसमें दंपत्ति और उनके दो बच्चों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना खीमपुरा घाट के पास उस समय हुई जब परिवार भाई दूज मनाने के लिए महिला के मायके जा रहा था। उनके साथ यात्रा कर रहे दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

वृत्ताधिकारी (ब्यावर) राजेश कसाना ने बताया कि मृतकों की

पहचान सेंदड़ा रोड स्थित गोविंदपुरा निवासी राजू काठा (35), उनकी पत्नी पूनम (33) और उनके बच्चों हिना (13) और अलीशा (11) के रूप में हुई है। दंपत्ति के दो छोटे बेटे साहिल (9) और लकी (6) गंभीर रूप से घायल हो गए तथा उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

कसाना ने बताया, परिवार एक टैम्पो में सवार था, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ़्तार ट्रेलर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टैम्पो पूरी तरह से चकनाचूर हो गया। पुलिस ने बताया कि ट्रेलर चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया।

भारत के सुनहरे भविष्य की आधारशिला है युवा शक्तिः सिंधिया

वडोदरा/अहमदाबाद/ नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज गुजरात के वडोदरा में आयोजित 17वें प्रधानमंत्री रोजगार मेले में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात के युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के तहत संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रोजगार सृजन को आत्मनिर्भरता के मार्ग से जोड़ते हुए विकसित भारत की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

सिंधिया ने कहा कि यह मेला केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और परिवार की खुशियों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को अमृत पीढ़ी का

दर्जा देकर नई दिशा दी है। देश में आज शिक्षा, कौशल और रोजगार एक ही लक्ष्य से जुड़ चुके हैं और यह लक्ष्य है विकसित भारत @2047 के निर्माण।

सिंधिया ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से 21वीं सदी के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली तैयार की गई है। देशभर में नए मेडिकल कॉलेज, IIT, विश्वविद्यालय और कौशल विकास कार्यक्रम इस दिशा में परिवर्तन के प्रतीक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'Youth-First' दृष्टिकोण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मोदी सरकार की नीतियाँ युवाओं को न केवल रोजगार खोजने वाला, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बना रही हैं।

भारत आज Ease of Doing Business Index में 63वें स्थान पर, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में विश्व में दूसरे स्थान पर और ऑटोमोबाइल उत्पादन में तीसरे स्थान पर पहुँच चुका है। कोविड वैक्सीन का निर्माण देश की युवा ऊर्जा और नवाचार भावना का प्रमाण हैं।

सिंधिया ने बताया कि 2022 में प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए रोजगार अभियान के तहत अब तक 17 चरणों में डाक विभाग में 1.86 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिया गया है। 16वें चरण तक 1,77,907 युवाओं को डाक विभाग में नियुक्तियाँ प्रदान की गईं। इस 17वें चरण में देशभर के 40 स्थलों पर 8,295 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं, जिससे डाक विभाग में रोजगार मेले में माध्यम से नियुक्तिओं की संख्या कुल 1,86,202 हो गई।

सिंधिया ने युवाओं से कहा कि आपके हाथ में केवल नियुक्ति पत्र नहीं, बल्कि देश का भविष्य है। इसे केवल नौकरी का अवसर न समझें, बल्कि अपने सपनों और राष्ट्र निर्माण की यात्रा की शुरूआत मानें। जब सरकार का संकल्प और युवाओं की ऊर्जा एक साथ आती है, तब भारत विजयी होता है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे कौशल, साहस और सपनों के साथ आगे बढ़ें और ऐसा कार्य करें कि समय भी आपके साहस को सलाम करे।

जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनावः नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीन उम्मीदवार जीते, एक सीट पर भाजपा का कब्जा

कश्मीर, 24 अक्टूबर। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से जम्मू-कश्मीर में 24 अक्टूबर को हुए राज्यसभा चुनाव श्रीनगर विधानसभा परिसर में शांतिपूर्वक संपन्न हुए। राज्यसभा चुनाव के लिए 88 में से 86 विधायकों ने अपने वोट डाले और हिरासत में लिए गए विधायक मेहराज मलिक ने डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया। कांग्रेस, पीडीपी, सीपीआई (एम), एआईपी और छह निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन से सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) गठबंधन ने निर्णायक बहुमत हासिल किया, जिससे चार में से तीन सीटों पर आसान जीत सुनिश्चित हुई। एनसी के उम्मीदवार, चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद किचलू और शम्मी ओबेरॉय, राज्यसभा में प्रवेश कर गए, जिससे 88 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी की प्रमुख स्थिति की पुष्टि हुई।

चौथी सीट के लिए मुकाबला एनसी के इमरान नबी डार और भाजपा के सत शर्मा के बीच था, जहां शर्मा ने बहुमत के 32 वोटों से जीत हासिल की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के मतदान में भाग न लेने के बावजूद, एनसी ने पहले सभी चार सीटों पर जीत हासिल करने का विश्वास व्यक्त किया था, और इस बात पर जोर दिया था कि ये परिणाम अनुच्छेद 370 के बाद की राजनीतिक स्थिरता और केंद्र शासित प्रदेश में एनसी के नेतृत्व वाले गठबंधन की ताकत में मतदाताओं के विश्वास को दशार्ते हैं।

जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनाव के लिए, नेशनल कॉन्फ्रेंस (ठउ) ने चार उम्मीदवार उतारे, जबकि भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने तीन उम्मीदवार उतारे। ठउ के उम्मीदवार इमरान नबी डार, चौधरी मुहम्मद रमजान, सज्जाद किचलू और शम्मी ओबेरॉय हैं। तीन राज्यसभा सीटों के लिए भाजपा के उम्मीदवार सत पॉल शर्मा, गुलाम मोहम्मद मीर और राकेश महाजन हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

हाथरस में बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के चंदपाकोतवाली क्षेत्र में अलीगढ़-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक चंदपा थाना क्षेत्र के गांव अनिगढी के पास बृहस्पतिवार की शाम यह हादसा हुआ, जब एक बोलेरो ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बोलेरो को अपने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने बताया कि मरने वालों की पहचान हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र के गांव लाखनूनिवासी अनिल (19) और करण (20) के रूप में हुई है।

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

-ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय ह्यदेर आए, दुरुस्त आएह्ल की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं।

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो

सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने ह्यनौकरी, विकास और सम्मानह्ल जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ ह्यलालू के पुत्रह्ल नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका ह्यजनादेशह्ल अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है।

एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक ह्यसुशासन बाबूह्ल की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा, तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे, तो जनता का भरोसा खिसक सकता है।

तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना बिहार की राजनीति में एक जनसांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह निर्णय दिखाता है कि अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र युवा आकांक्षाओं, आर्थिक अवसरों और विकास की बराबरी की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस का झुकना केवल राजनीतिक गणित नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि अब बिहार में नई पीढ़ी के नेतृत्व से ही राजनीतिक भविष्य तय होगा। तेजस्वी यादव का उदय केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बदलते समय की पुकार है। बिहार की जनता लंबे समय से ठहरे हुए शासन और खोखले वादों से थक चुकी है। अब वह ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो न केवल सत्ता चाहता हो, बल्कि संवेदना और संघर्ष का प्रतीक भी बने। कांग्रेस ने भले ही देर से यह निर्णय लिया हो, पर यदि महागठबंधन इस घोषणा को एकजुट रणनीति में बदल सके, तो यह बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है, जहाँ देर आए, पर दुरुस्त आए केवल कहावत नहीं, बल्कि राजनीतिक सच्चाई बन जाए। तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह स्पष्ट किया है कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआइपी से भी कम है। निःसंदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है। महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। महागठबंधन की राजनीति चुनाव होने एवं चुनाव परिणाम के बाद भी कई रंग बदलेगी, इसलिये उसकी डगर निष्कंटक तो नहीं कही जा सकती। महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है, यह भी प्रश्न तेरता रहेगा। फिलहाल तेजस्वी के मुख्यमंत्री का फैसला महागठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है क्योंकि इससे उनकी एकजुटता का संदेश पूरे बिहार में जाएगा।

सूर्य की गोद में लोक की आस्था

-सुरेश गांधी

हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला छठ पर्व भारतीय लोकजीवन का वह अध्याय है, जहाँ आस्था का सूर्य अपनी संपूर्ण ज्योति बिखेरता है। यह कोई साधारण त्योहार नहीं, बल्कि मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का महापर्व है। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह उस ग्रामीण चेतना, उस मातृशक्ति की साधना का भी उत्सव है जो सदियों से लोकजीवन में आत्मा की तरह रची-बसी है। छठ की शुरूआत चतुर्थी तिथि से नहाय-खाय के साथ होती है और सप्तमी को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इसका समापन होता है। इन चार दिनों में श्रद्धा, संयम और तपस्या की पराकाष्ठा देखने को मिलती है। यह पर्व सादगी में भव्यता और मौन में संगीत का संदेश देता है। घुटन-सी खिसकती है जब घाट पर सुबह की पहली किरन टूटती है, जैसे कोई पुराना गीत अचानक ही दोहरा दिया गया हो। मिट्टी की सौंधी गंध, पानी की तरंगों पर उठती हुई हल्की सी परछाई और मन के भीतर एक अनंत-सा सन्नाटा, यही वह क्षण है जब लोक अपना चेहरा दिखाता है। छठ का यह महापर्व, जिसे हम सरलता और भक्ति के साथ मनाते हैं, वस्तुतः उस स्नेह का प्रतीक है जो मानव ने सूर्य से सदियों से जोड़ा है। इस पर्व का नाम बड़ा ही सहज, ह्लसूर्य की गोद में लोक की आस्थाह्व पर जो भाव इसमें घुला है, वह शब्दों से कहीं गहरा है।

छठ पर्व में आस्था का ताप, विज्ञान का प्रकाश और संस्कृति की सुगंध तीनों साथ चलती हैं। यह पर्व सिखाता है कि मनुष्य यदि प्रकृति के प्रति श्रद्धावान हो, तो जीवन स्वतः संतुलित हो जाता है। सूर्योपासना का यह लोकरूप हमें याद दिलाता है कि, ह्लहम सब सूर्य की संतान हैं, प्रकाश के वारिस ह्व जब घाटों पर कोटि-कोटि हाथ अर्घ्य देने को उठते हैं, तब वह दृश्य केवल धार्मिक नहीं, मानव एकता का दर्शन होता है। सूर्य की रश्मियों में स्नान करती यह सभ्यता बताती है कि जीवन तभी पवित्र है, जब वह श्रम और श्रद्धा से प्रकाशित हो। छठ केवल व्रत नहीं, आत्मशुद्धि का अभ्यास है। यह बताता है कि जीवन की सारी कृतज्ञता सूर्य की ओर है। सूर्य, जो हर दिन हमें यह सिखाता है कि डूबना अंत नहीं, अगली भोर की शुरूआत है। छठ के दिन जब घाटों पर छठी मइया की आरती होती है, तो लगता है जैसे पूरा ब्रह्मांड उस एक क्षण में नतमस्तक हो। छठ, वास्तव में, मानवता का सामूहिक प्रणाम है उस ऊर्जा को, जो सबके भीतर समान रूप से विद्यमान है। सूर्य की यह उपासना, मातृत्व की यह आराधना, और लोक की यह उजास, छठ भारत की आत्मा का उज्जवल प्रतीक है।

सूर्य और छठी मइया

छठ कोई बनावटी अनुष्ठान नहीं, यह लोक की स्वाभाविक वृत्ति है, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जीविका के लिए धन्यवाद। यहां सूर्य केवल खगोलीय तारा नहीं, वह जीवनदायी शक्ति है, खेतों की हर फसल, नदी की हर लहर, घर की हर रसोई का आधार। लोक ने इस दृष्टि को मातृत्व का वेश देकर छठी मइया का रूप दे दिया, सूर्य की वात्सल्य-ऊषा का, प्रत्यूषा-ऊषा का, माँ का आंचल। यहां कोई पुरोहित नहीं होता, कोई जटिल मंत्र नहीं। हैं तो गीत, सरल, हृदय-गहरे, कामनाभरे गीत। हैं तो हाथों की थाली, सादे फल, गुड़-चावल, बोये हुए चने और हैं तो घाट की सफाई, घर की सादगी। यही लोक-साधना का सार है: पूजक और पूजा के बीच सीधा संवाद, बिना किसी मध्यस्था के।

चार दिन, अनगिनत भावनाएं

छठ के दिन चार होते हैं, नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और भोर का उदय अर्घ्य, पर इन चार दिनों में समाहित है जीवन का लंबा पाठ। नहाय-खाय में स्वच्छता का आग्रह है, शरीर की शुद्धि के साथ मन का संकल्प। खरना में गुड़-चावल की खीर और रोटी, साधारणता में महानता का संदेश। संध्या अर्घ्य में ढलते सूर्य को नमन और भोर में उगते सूर्य को पुनः प्रणाम। 36 घंटे का निर्जला उपवास व्रती के मन और इरादे को परखता है, यह त्याग, अनुराग और आत्म अनुशासन का प्रतिबिम्ब है। समाज के विभिन्न आयाम, धर्म, संस्कृति, पर्यावरण और विज्ञान, सब एक साथ चल पड़ते हैं इन पलों में। लोग सामूहिकता में घाट बनाते, दीप लगाते, गीत गाते हैं, और यही सामुदायिक भावना छठ को सिर्फ व्यक्तिगत पूजा नहीं, सार्वजनिक संस्कार बना देती है।

गीतों की मौन गूंजः लोक-संस्कृति का संगीत

छठ गीत, वही मुखर काव्य-प्रधान शब्द, जो पीढ़ी दर पीढ़ी घर-घर तक पहुँचा है, इस पर्व की आत्मा हैं। इन गीतों में सिर्फ देव से प्रार्थना नहीं, बल्कि समाज के लिए, रोगियों के लिए, निर्धनों के लिए मानवीय याचना भी समायी रहती है, नेत्रहीनों को दृष्टि दो, रोगियों को स्वास्थ्य दो, निर्धनों को साधन दो। लोकगीतों की यही मानवता छठ को व्यापक बनाती है; यहाँ मांग व्यक्ति-विशेष के लिए नहीं, समुदाय के कल्याण के लिए होती है। गीतों का स्वर, ताल और संवाद, सब मिलकर एक ऐसा परिवेश बनाते हैं जिसमें श्रद्धा का हर स्पर्श संवेदनशील हो जाता है। और जब घाट पर हजारों हाथ दीप लिए एक साथ उठते हैं, तब एक सामूहिक संगीत बनता है, यह संगीत केवल कानों तक नहीं, हृदय तक गया करता है।

कृषक जीवन और पुरुषार्थ का पर्व

छठ पर्व की जड़ें कृषि-समाज की मेहनत में गहरी रची-बसी हैं। जब विज्ञान की वर्तमान सुविधाएँ न थीं, तब भी किसान ने सूर्य की आवश्यकता समझ ली थी, उसकी उष्मा बिना खेत सुने ही रह जाते। इसलिए किसानों ने अपनी पहली पैदावार और अपनी श्रम-प्रतिफल पहले सूर्य को अर्पित किया। यह सिर्फ आस्था नहीं, स्वीकृतिपूर्ण व्यवहार था, जीवन के उस क्रम का सम्मान जिसने उनके अस्तित्व को सम्भाला। छठ में दिखने वाली आत्म-निर्भरता, स्वच्छता और संग्रह की परंपरा बताती है कि यह पर्व किस तरह से किसान की संस्कृति का आराध्य बन गया। खेतों से निकले अनाज और खेतों के श्रम का हिस्सा जब लोक-अभिव्यक्ति बनता है, तब त्योहार का अर्थ भी परिवर्तन से ऊपर उठकर स्थायी बन जाता है।

स्त्री का सशक्त अभिनयः छठ की नायिकाएं

छठ में महिलाओं की भूमिका केवल पारंपरिक नहीं, बल्कि निर्णायक है। नहाय-खाय से लेकर घाटों की तैयारी तक, गीतों की रचना से लेकर व्रत धारणा तक, अधिकांश श्रम और आस्था की बुनियाद स्त्रियों के हाथों में होती है। उनकी श्रद्धा में घर-परिवार के संरक्षण की वीणा बजती है, उनकी कोशिशें समाज के लिए सेवा और समर्पण का संदेश देती हैं। इसमें अद्भुत बात यह है कि महिलाएं अपनी आस्था के साथ साथ सार्वजनिक स्थानों पर उतर कर सामूहिकता का नेतृत्व भी करती हैं। यही सशक्तिकरण लोक-आधारित परंपराओं में संभावनाओं को दिखाता है, जहां नारी शक्ति केवल घरेलू नहीं, सार्वजनिक-सांस्कृतिक भी है।

विज्ञान और परंपरा का अनूठा संगम

छठ केवल आस्तिकताओं का खेल नहीं, इसमें विज्ञान का भी अपना स्थान है। प्रातः और सायंकाल की किरणें मानव शरीर के लिए उपयोगी विटामिन डी का स्त्रोत हैं। घाटों पर खड़े रहकर सूर्य के उजाले में होना, ओजोन और पराबैगनी किरणों का अनुभव, इनसे शरीर पर प्रतिकूल जीवाणुओं का नाश संभव है। लोक परंपराएं कई बार वैज्ञानिक तथ्यों को बिना किसी शब्दबद्ध प्रमाण के, अनुभव के आधार पर मानती आई हैं। छठ उन्हीं अनुभवों का एक जीवंत उदाहरण है जहां लोक-ज्ञान और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के परिपूरक सिद्ध होते हैं।

सामाजिक समरसताः उंच-नीच भूल जाने वाला पल

छठ का सबसे बड़ा योगदान है, सामाजिक समरसता। घाट पर जाति, वर्ग, आर्थिक स्थिति सब भूलकर एक ही दिशा की ओर हाथ उठाते हैं। अमीरी-गरीबी का फर्क मिट जाता है, हर कोई उसी सूर्य को अर्घ्य देता है जो सबका जीवन दाता है। यही भावार्थ है, यह पर्व हमें एक सार्वजनिक चेतना देता है जो व्यक्तिगत भेदभाव को क्षणिक बना देता है। यह सामूहिक भावना न केवल धार्मिक है, यह समाजशास्त्रीय दृष्टि से भी अहम है, यह दिखाता है कि लोक-रिवाज किस तरह से समाज में समरसता और सहयोग की भावना पैदा करते हैं। छठ पर्व केवल धार्मिक नहीं, यह सामाजिक एकता का सूत्र भी है। इसमें जाति, वर्ग, संपत्ति का कोई भेद नहीं। सभी मिलकर घाट बनाते हैं, घर सजाते हैं, गीत गाते हैं, व्रत रखते हैं। लोक-सहभागिता का ऐसा उदाहरण संसार में दुर्लभ है। यह पर्व सिखाता है, स्वच्छता, संयम और सहिष्णुता. श्रम का सम्मान, प्रकृति और सूर्य के प्रति कृतज्ञता और समाज के प्रति दायित्व का बोध। इसलिए कहा जा सकता है कि छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का जीवंत घोष है।

आधुनिकता के बीच टिके रहने का दर्शन

आज के युग में जहां त्यौहार बाजारों और विज्ञापनों के कारण अक्सर रंग-भंगिमाएँ बदल लेते हैं, छठ ने अपनी सादगी और आत्म-शुद्धि कायम रखी है। कोई बड़ी संस्थाओं की आवश्यकता नहीं, कोई महंगी सजावट नहीं, बस श्रद्धा और परिश्रम। लोग स्वयं घाट साफ करते हैं, सामूहिक रूप से आयोजन संभालते हैं, और लोकगीतों की धुनों से वातावरण तरंगित होता है। छठ ने यह सिखाया है कि परंपरा सिर्फ स्मारक नहीं, जीवन का व्यवहार भी हो सकती है, यदि वह लोक-हित में संचालित हो और समाज के मूल्यों से जुड़ी रहे।

पवित्रता और पुरुषार्थ

तमाम पर्व-त्योहारों ने समय के साथ अपनी मूल जड़ें कहीं न कहीं खो दी हैं। आधुनिकता की आंधियों में जब कई परंपराएं अपना रूप बदल चुकी हैं, तब भी एक पर्व ऐसा है जो आज भी अपनी मौलिकता में जीवित है, छठ। यह केवल पूजा नहीं, यह लोक और प्रकृति का मिलन है, यह आस्था का समुद्र है, जिसमें हर लहर श्रद्धा की भाषा बोलती है। छठ, यानी सूर्योपासना का लोक महापर्व। यह उस सूर्य की वंदना है जो सृष्टि का प्राण है, जीवन का सार है और चेतना का मूल स्त्रोत है। बिहार और पूर्वांचल की मिट्टी से निकला यह लोक पर्व आज सीमाओं से परे फैल चुका है, मॉरीशस, फिजी, नेपाल, अमेरिका तक। जहां-जहां भारतीय प्रवासी हैं, वहां-वहां गूंजता है छठ का लोकगीत, केलवा के पात पर उगेलन सुरुज देव, अर्घ दिहीं न व्रतीया।

लोक पर्व, लोक की शक्ति

छठ किसी वैदिक कर्मकांड का पर्व नहीं। यह लोक द्वारा, लोक के लिए, लोक में जिया जाने वाला उत्सव है। यहां कोई पुरोहित नहीं, कोई यज्ञोपवीत का बंधन नहीं, सिर्फ मन की पवित्रता और श्रम की श्रद्धा है। यह पर्व इसलिए भी विशेष है क्योंकि यहां भक्त और भगवान के बीच कोई मध्यस्थ नहीं होता। जल में खड़े होकर जब करोड़ों व्रती अस्ताचल और उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देते हैं, तब अमीर-गरीब का भेद मिट जाता है। सूर्य की किरणें सब पर समान रूप से पड़ती हैं। सूर्य की दृष्टि में सब एक हैं, सभी सूर्य-परिवार के सदस्य।

अर्घ्यः जीवन का सर्वोच्च सम्मान

अर्घ्य शब्द ही बताता है कि यह केवल भेंट नहीं, सम्मान है, सबसे बड़ा आदर। जीवन में केवल दो व्यक्तियों को अर्घ्य दिया जाता है, भगवान सूर्य और विवाह के समय जवाई को। यह प्रतीक है कि जो जीवन देता है, उसे ही सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। सूर्य देव वह दृश्य देवता हैं, जिनकी उपस्थिति हर दिन हमें दिखती है। वह सृष्टि के प्रत्यक्ष आत्मा हैं, ऊर्जा, प्रकाश, जीवन और चेतना के प्रतीक।

लोकगीतों में सजी सूर्य भक्ति की सरस धारा

छठ गीतों में निहित भावलोक ही इस पर्व की आत्मा है। लोकगीतों में मनुष्य अपने लिए नहीं, समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना करता है, हे देवता! नेत्रहीनों को दृष्टि दो, रोगियों को स्वास्थ्य दो, निर्धनों को धन दो। यह गीत मानवता का सामूहिक मंत्र है। एक अन्य गीत में कहा गया, हे देवता! हमें पांच विद्वान पुत्र दो और दस हल की खेती दो। यह गीत कृषक जीवन का सार है, पुरुषार्थ और समृद्धि का संगम।

कृषक संस्कृति का पर्व

छठ पर्व की जड़ें कृषक समाज के हृदय में हैं। जब विज्ञान नहीं था, तब भी किसान सूर्य को जानता था, उसकी ऊर्जा से फसलें लहलहाती थीं। इसलिए छठ केवल पूजा नहीं, पुरुषार्थ का उत्सव है। किसान अपनी उपज का पहला अंश सूर्य को अर्पित करता है, यह कृतज्ञता है, यह विश्वास है कि जो देता है, उसे पहले अर्पण करना धर्म है। इसलिए छठ को कृषक पुरुषार्थ का पर्व भी कहा जा सकता है।

छठ की तैयारी, स्वच्छता से श्रद्धा तक

छठ की शुरूआत होती है नहाय-खाय से। यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि शुद्धि का संस्कार है। व्रती उस दिन अरवा (सादा चावल) खाते हैं, नमक नहीं लेते। नमक निषेध का भी वैज्ञानिक आधार है, यह शरीर से अशुद्धि दूर करता है और चर्म रोगों से बचाता है। छठ के अवसर पर गांव-घर, गलियां, घाट, सब चमक उठते हैं। कोई सरकारी आदेश नहीं, कोई सफाई अभियान नहीं, फिर भी सफाई ऐसी कि सूरज की किरणें भी झिलमिला उठें। यही छठ की पहचान है, लोक स्वच्छता और आत्म अनुशासन का पर्व।

खरनाः देवी षष्ठी का आगमन

दूसरे दिन का पूजन है खरना, इस दिन घर में देवी षष्ठी का आगमन होता है। इस दिन व्रती गुड़ और साठी चावल की खीर, पूड़ी या घी लगी रोटी बनाकर प्रसाद लेते हैं। घर के सभी सदस्य पहले प्रसाद ग्रहण करते हैं, फिर व्रती खाता है। इसके बाद शुरू होता है 36 घंटे का निर्जला उपवास, अथाह श्रद्धा और आत्मबल का प्रतीक। खरना के साथ ही घर में गीतों की गूंज शुरू हो जाती है, सुरज देव, जनम-जनम के दुख कटे, छठी मइया घर बइठीं आइलें।

सूर्य अस्ताचल और उदयाचल, दोनों को अर्घ्य

छठ पर्व की सबसे अनोखी बात यह है कि इसमें सूर्य के अस्त होते और उगते दोनों रूपों की पूजा की जाती है। सायंकाल नदी-तालाब के घाटों पर जब दीपों की कतारें सजती हैं, व्रती कमर तक जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यह त्याग और धन्यवाद का क्षण होता है। रात्रि में भक्त जागरण करते हैं, छठ गीतों से वातावरण भर जाता है। अगले दिन सप्तमी की भोर में घाटों पर फिर से वही दृश्य, उगते सूर्य को अर्घ्य, नए जीवन का स्वागत। यह सूर्य की पहली किरण, ऊषा के प्रति नम्र प्रणाम है, और सायंकाल की अंतिम किरण प्रत्यूषा के प्रति आभार।

छठी मइयाः सूर्य की मातृ शक्ति का प्रतीक

हालांकि यह पर्व सूर्य का है, लेकिन लोक इसे छठी मइया के रूप में पूजता है। छठी मइया वस्तुतः सूर्य की पोषक शक्ति हैं, उनकी ऊषा और प्रत्यूषा स्वरूपा। लोक ने सूर्य के वात्सल्य भाव को मातृत्व का रूप दिया। इसलिए छठ केवल सूर्य पूजा नहीं, मातृत्व और पोषण की आराधना है।

विज्ञान की दृष्टि से छठ का रहस्य

छठ पर्व केवल आस्था नहीं, यह विज्ञान और खगोल का भी पर्व है। कार्तिक शुक्ल षष्ठी के दिन सूर्य की पराबैगनी किरणें पृथ्वी पर सामान्य से अधिक मात्रा में आती हैं। छठ के समय जब व्रती जल में खड़े होकर सूर्य की ओर मुख करते हैं, तो यह स्थिति शरीर को संतुलित ऊर्जा देती है। जल, सूर्य और मिट्टी, तीनों तत्वों का संयोग मनुष्य के शरीर को शुद्ध करता है। सूर्य की पराबैगनी किरणें वातावरण में ऑक्सीजन को ओजोन में बदल देती हैं, जिससे हानिकारक विकिरणों का प्रभाव कम होता है। छठ पर्व के दौरान प्रातः और सायंकाल की किरणें जब शरीर पर पड़ती हैं, तो विटामिन डी का प्राकृतिक संश्लेषण होता है। इस प्रकार यह पर्व स्वास्थ्य, प्रकृति और पर्यावरण के संतुलन का अद्भुत संगम है।

सूर्य की गोद में लोक की आस्थाह्व, यह सिर्फ एक शीर्षक नहीं, एक अनुभूति है। छठ हमें बताता है कि आस्था और साधना किसी प्रतीक से अधिक, समाज और प्रकृति का सम्मिलन हैं। जहां हम सूर्य को अर्घ्य देते हैं, वहां वह हमें जीवन का उत्तरदायित्व भी सिखाता है - स्वच्छता, संयम, सामुदायिकता और सहानुभूति। घंटों की गूंज, गीतों की लय, घाटों पर जल की शीतलता, ये सब मिलकर एक संदेश दे जाते हैं: जीवन तब पवित्र है जब हम उसे साझा करें, श्रम की इज्जत करें और प्रकृति के प्रति कृतज्ञ रहें। छठ वह पल है जब लोक के तिनके भी सूर्य की किरणों में सुनहरी हो जाते हैं और यही सुनहरी किरण हमारे भीतर की आस्था को हमेशा जीवंत बनाए रखे। छठ की यह गोद, यही आस्था, हमें याद दिलाती है कि हर डूबना अंत नहीं, हर डूबने के बाद एक नई भोर अवश्य आती है. सूर्य उपासना की परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है। ऋग्वेद में कहा गया है, ह्लसूर्यो विश्वस्य चक्षुः ह्व अर्थात सूर्य सम्पूर्ण विश्व की आंख है। विष्णु पुराण, भगवत पुराण, ब्रह्म वैवर्त पुराण में भी सूयोर्पासना के महात्म्य का विस्तृत उल्लेख है। यास्क ने स्थानीय देवताओं में सूर्य को प्रथम स्थान दिया है। छठ उसी वैदिक परंपरा का लोक संस्करण है, जहां मंत्र नहीं, मांग और ममता है, जहां कर्मकांड नहीं, करुणा और कृतज्ञता है

योगी पर भारी पड़ सकती है संघ और संगठन से दूरी

-अजय कुमार

अजय कुमार,

उत्तर प्रदेश की राजनीति में योगी आदित्यनाथ आज एक ऐसा नाम बन चुके हैं, जो अनुशासन, प्रशासनिक सख्ती और हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। 2017 में, जब उन्होंने राज्य की कमान संभाली थी, तब यह माना जा रहा था कि संघ और भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने एक युवा और दृढ़ नेतृत्व को आगे रखा है, जो कानून व्यवस्था को सुधार सके। लेकिन आज, अपने दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे करने के बाद, योगी की राजनीतिक यात्रा कई नए संकेत दे रही है, जिसमें उनकी स्वतंत्र कार्यशैली, पार्टी के भीतर की खींचतान, और केंद्र से बढ़ती दूरी स्पष्ट झलकती है।

योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही प्रशासनिक स्तर पर कठोर निर्णयों के लिए ख्याति अर्जित की है। अपराध नियंत्रण, अवैध निमार्णों पर कार्रवाई, माफिया राज के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और हिंदू गौरव के मुद्दों पर उनकी आक्रामक छवि ने उन्हें जनता में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने नौकरशाही को अपने नियंत्रण में रखा और निर्णय प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप को सीमित किया। यही कारण है कि जनता के बीच उनकी छवि ह्लकड़े प्रशासकह्व और ह्लनिर्भीक नेताह्व की बन चुकी है। परंतु यह वही शैली है जिससे संगठन के भीतर असहजता भी महसूस की जा रही है। भाजपा के कई विधायक और संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी बार-बार यह शिकायत करते हैं कि योगी सरकार में उनकी सुनवाई नहीं होती। थानों से लेकर जिला स्तर के अफसरों तक, विधायकों को हस्तक्षेप का अधिकार लगभग समाप्त हो चुका है।

योगी सरकार में दो उपमुख्यमंत्री हैं, केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक। दोनों ही प्रदेश राजनीति के अलग-अलग सामाजिक समीकरणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केशव ओबीसी और बृजेश ब्राह्मण वर्ग से आते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से यह चर्चा आम है कि इन दोनों नेताओं और योगी के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं। केशव प्रसाद मौर्य कई बार सोशल मीडिया पर ऐसे ट्वीट कर चुके हैं, जिन्हें राजनीतिक संकेत के रूप में देखा गया। वहीं बृजेश पाठक पिछले कुछ महीनों में अपने अलग कार्यक्रम और कार्यशैली के चलते सीमित राजनीतिक संपर्क बनाए हुए हैं। ये घटनाएँ इस धारणा को मजबूत करती हैं कि योगी ने सरकार को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा है, जिससे सहयोगी मंत्री केवल औपचारिक भूमिका निभा रहे हैं।

पिछले कुछ महीनों में केंद्र और लखनऊ के बीच संवाद की कमी पर राजनीतिक हलकों में कई सवाल उठे हैं। केंद्रीय मंत्रियों का उत्तर प्रदेश के दौरों में कमी आना, योगी का राष्ट्रीय कार्यक्रमों से अक्सर अलग रहना और केंद्रीय नेतृत्व के बयानों में योगी का नाम कम आना, इन सब संकेतों ने यह अटकलें तेज की है कि दिल्ली योगी से बहुत प्रसन्न नहीं है। हालांकि भाजपा का आधिकारिक रुख हमेशा यह कहता रहा है कि केंद्र और राज्य में कोई मतभेद नहीं है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि योगी का आत्मनिर्भर मॉडल, यानी बिना केंद्रीय दबाव के निर्णय लेना, पार्टी की पारंपरिक संरचना को चुनौती देता है। भाजपा का संगठनात्मक ढांचा सामूहिक निर्णय की संस्कृति पर चलता है, जबकि योगी का प्रशासन टॉप-डाउन मॉडल पर आधारित है।

प्रदेश के विधायकों में यह भावना बढ़ रही है कि अफसरशाही के ऊपर उनका नियंत्रण नाममात्र का रह गया है। विधायक अपने क्षेत्र में शिकायतें करते हैं कि थानेदार, एसडीएम या डीएम तक उनकी बात नहीं सुनते। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शिकायत निवारण तंत्र तो सशक्त बनाया है, पर जमीनी स्तर पर राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश समाप्त कर दी गई है। इससे विधायकों में हीनभावना के साथ नाराजगी भी बढ़ी है। यही असंतोष तब और बढ़ जाता है, जब मुख्यमंत्री योगी किसी जनप्रतिनिधि की आलोचना पर सीधे कार्रवाई कर देते हैं या उसे सार्वजनिक रूप से नजरअंदाज करते हैं। भाजपा के मूल संगठनात्मक अनुशासन में यह अप्रत्याशित माना जाता है, लेकिन योगी के लिए यह साफ-सुथरा शासन बनाए रखने की नीति का हिस्सा है।

इन सभी घटनाक्रमों से यह स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ ने खुद को मात्र एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि एक राजनीतिक ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। योगी मॉडल आज राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा समर्थकों के बीच चर्चा का विषय है। यूपी के कड़े प्रशासनिक मॉडल, हिंदुत्व की वैचारिक नींव और अपराध नियंत्रण में सफलता ने उन्हें जनता में स्वतंत्र पहचान दी है। केंद्र से दूरी या आंतरिक असहजता के बावजूद, योगी की लोकप्रियता में अभी कोई स्पष्ट गिरावट नहीं देखी जा रही है। लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि क्या यह स्वतंत्र छवि भविष्य में पार्टी संरचना के भीतर उन्हें और अलग-थलग कर सकती है? राजनीतिक विश्लेषकों की राय में, यदि योगी संघ और पार्टी दोनों के साथ सामंजस्य बनाए रखने में असफल होते हैं, तो उनकी राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका सीमित हो सकती है।

योगी का नेतृत्व एक स्पष्ट व्यक्तिगत ब्रांड की तरह उभर रहा है। उनके अनुयायी उन्हें हिंदू हृदय सम्राट की उपाधि से देखते हैं, जो भाजपा के पारंपरिक सामूहिक नेतृत्व से अलग दिशा की ओर संकेत करती है। वे कई मायनों में नरेंद्र मोदी के शुरूआती मुख्यमंत्री काल के समान दिखते हैं। मजबूत व्यक्ति छवि, प्रशासनिक नियंत्रण और कठोर निर्णय क्षमता के साथ। किन्तु पार्टी नेतृत्व यह नहीं चाहता कि कोई मुख्यमंत्री राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र के समानांतर छवि बनाए। यही कारण है कि केंद्र लगातार संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। संघ परिवार के कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ता भी यह मानते हैं कि योगी को अपनी प्रशासनिक सख्ती के साथ संगठनात्मक समन्वय बढ़ाना चाहिए। योगी आदित्यनाथ की राजनीति इस समय एक संक्रमण काल से गुजर रही है। वे जनता में लोकप्रिय हैं, लेकिन पार्टी संरचना में उनके बारे में मिश्रित भावनाएँ हैं। प्रदेश में उनके खिलाफ सीधी चुनौती नहीं दिखाई देती, परंतु यह आंतरिक दूरियाँ उनकी राजनीतिक रणनीति को प्रभावित कर सकती हैं। आने वाले दो वर्षों में यदि योगी संगठन, विधायकों और केंद्र के साथ तालमेल मजबूत नहीं कर पाते, तो यह उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर सीमाएँ लगा सकता है। वहीं यदि वे संवाद और समन्वय के नए रास्ते चुन लेते हैं, तो वे भाजपा के भीतर भविष्य के शीर्ष नेतृत्व में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकते हैं।अभी के लिए यह कहना उचित होगा कि योगी आदित्यनाथ न केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, बल्कि एक उभरते राजनीतिक प्रतीक भी हैं, जिनकी अगली राजनीतिक मंज़िल इस बात पर निर्भर करेगी कि वे सख्त प्रशासक की अपनी पहचान को सर्वस्वीकार्य नेता के रूप में कैसे स्थापित कर पाते हैं।

ठाणे जिले में दुकानों में आग लगी, कोई हताहत नहीं

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में शुक्रवार तड़के तीन दुकानों में आग लग गई और करीब 40 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि दिवा क्षेत्र के जीवदानी नगर में लगी आग में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है।

उन्होंने बताया कि दमकल नियंत्रण कक्ष को सुबह 3.07 बजे आग लगने की सूचना मिली। अधिकारी ने बताया कि प्रभावित दुकानों में कथित तौर पर पीओपी (प्लास्टर ऑफ पेरिस) की मूर्तियां थीं।

उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के प्रयासों के दौरान विद्युत खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दमकलकर्मियों के साथ-साथ क्षेत्र के बिजली वितरक कंपनी के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन अभियान तड़के 3.45 बजे तक पूरा हो गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

RNIT AI सॉल्यूशंस लिमिटेड शेयर बाजार में सूचीबद्ध

मुंबई। RNIT AI सॉल्यूशंस लिमिटेड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित शासन एवं उद्यम रूपांतरण में एक अग्रणी कंपनी, आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सफलतापूर्वक सूचीबद्ध हुई और इसी के साथ इसने एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की है। RNIT AI सॉल्यूशंस लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ, श्री राजा श्रीनिवास नंदीगम ने सभी औपचारिकताएं पूरी की, जिसके बाद कंपनी ने ट्रेडिंग सिंबल BSE: RNITAI | NSE: RNITAI के साथ आधिकारिक रूप से अपना पदार्पण किया। समारोह में बोलते हुए, एमडी एवं सीईओ, श्री राजा श्रीनिवास नंदीगम ने कहा, आज हमारी कंपनी की पब्लिक लिस्टिंग हुई है, जो हमारे लिए केवल एक वित्तीय उपलब्धि ही नहीं, बल्कि हमारे लक्ष्य को सार्थक बनाने की दिशा में भी एक बड़ी कामयाबी है। RNIT में, हमारा मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत में शासन और उद्यम रूपांतरण की रीढ़ बन सकता है। इस लिस्टिंग के बाद हम अपने जिम्मेदार अकके विजन को अग्रसर कर सकेंगे एक ऐसी अकजो शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र में जिम्मेदार लोगों को सेवा प्रदान करे, न कि उनकी जगह ले। RNIT AI सॉल्यूशंस लिमिटेड की स्थापना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से शासन में बदलाव लाने के मिशन के साथ की गई थी। यह कई राज्य सरकारों और उद्यमों के लिए एक विश्वसनीय नवाचार भागीदार बनकर उभरा है। 2019 में अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी ने अक-पॉवर्ड फेशियल रिकॉग्निशन और बेनेफिसिअरी ट्रैकिंग सिस्टम पर कार्य किया, जिसकी सहायता से सामूहिक रूप से 300 से अधिक विभागों में 3 बिलियन से अधिक आइडेंटिटी वेरीफाई किए जा चुके हैं, जिससे यह अक-सेंट्रिक आइडेंटिटी और प्रबंधन प्रणालियों में भारत का सबसे बड़ा रंर प्रदाता बन गया है। बाजार में अपने पदार्पण के साथ, RNIT अब नवाचार-आधारित विकास को गति देने, नए भारतीय राज्यों में अपना विस्तार करने और उभरते वैश्विक बाजारों की तलाश करने के लिए तत्पर है। कंपनी मल्टी-मॉडल अकमें भी निवेश कर रही है, जिसमें टेक्स्ट, वॉइस और विजन एनालिटिक्स को एकीकृत कर शासन और उद्यम अनुप्रयोगों के लिए पूवार्नुमानित, इनसाइट-ड्रिवेन डिसिशन इंटेलिजेंस प्रदान किया जा सकेगा। अपने बुनियादी सिद्धांत अखंडता के साथ नवाचार की रौशनी में, RNIT निष्पक्ष, पारदर्शी और गोपनीयता-संरक्षित करते अकप्रणालियों का निर्माण जारी रखने के साथ-साथ ज़िम्मेदारी सहित, बड़े पैमाने पर अक कार्यान्वयन के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है जो भारत में निर्मित, विश्व को सेवा प्रदान करने हेतु तत्पर है। 2023 में, कंपनी राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण की मंजूरी से ऑटोपाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक विलय में शामिल हुई। इस विलय से इसकी तकनीकी और वित्तीय नींव अधिक मजबूत बनी और RNIT एक अग्रणी अकउद्यम बनने के सफर पर निकल पड़ा। ई-गवर्नेंस और अक-ड्रिवेन ऑटोमेशन में RNIT के शानदार प्रदर्शन के लिए इसे लोक प्रशासन में प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (2024) से सम्मानित किया गया, साथ ही कई राज्यीय एवं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं, जो लोक कल्याण हेतु अकअनुप्रयोग की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

बदलते मौसम: मौसमी बदलावों के दौरान अपनी इम्युनिटी कैसे बढ़ाएँ

मुंबई/पटना। जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वैसे-वैसे इसका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी दिखाई देता है। बदलते तापमान, एलर्जन के बढ़ते संपर्क और दिनचर्या में आने वाले परिवर्तनों के कारण हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है, जिससे सर्दी, फ्लू और थकान जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली की रीजनल हेड डाइटेटिक्स, न्यूट्रिशनिस्ट ऋतिका समद्दार के अनुसार, इस संक्रमण काल में अपनी इम्युनिटी को मजबूत बनाए रखना स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की कुंजी है। एक सशक्त प्रतिरक्षा प्रणाली का आधार संतुलित आहार, सजग आदतें और स्वस्थ जीवनशैली हैं। अपने भोजन में बादाम, हरी सब्ज़ियाँ और फैटी फिश जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें, साथ ही हल्के व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। कैलिफोर्निया बादाम जैसे छोटे लेकिन पौष्टिक नट्स इम्युनिटी बढ़ाने का सरल और प्रभावी उपाय हैं। ऋतिका बदलते मौसम के दौरान आपकी इम्युनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए व्यावहारिक सुझाव साझा करती हैं: आपकी दैनिक सुरक्षा की खुराक कैलिफोर्निया बादाम विटामिन ई और ज़िंक से भरपूर होते हैं, जो बदलते मौसम में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक सुरक्षात्मक कवच की तरह कार्य करते हैं। इनमें कॉपर भी पाया जाता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली के सामान्य कार्य को बनाए रखने में सहायक महत्वपूर्ण खनिज है। आरामदायक नींद को प्राथमिकता दें सिर्फ पोषण ही पर्याप्त नहीं है; आपका शरीर पुनर्जीवित होने और मरम्मत के लिए पर्याप्त विश्राम भी चाहता है। हर रात 7-8 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लेने का प्रयास करें ताकि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली सशक्त बनी रहे और मौसम परिवर्तन का सामना करने के लिए तैयार रहे। हाइड्रेटेड रहें तापमान कम होने पर कई लोग पानी कम पीते हैं। शरीर को हाइड्रेटेड रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पाचन को समर्थन देता है।

मुंबई महानगर पालिका का चुनाव कांग्रेस पार्टी को अकेले लड़ना चाहिए: राम गोविंद यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप का रुख भले ही निजी हो, लेकिन कांग्रेस पदाधिकारी अपनी राय जाहिर कर रहे हैं कि उन्हें गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ना चाहिए और अकेले ही चुनाव लड़ना चाहिए। मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर भाई जगताप द्वारा व्यक्त की गई राय को कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्वीकार कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की पीएसी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मुंबई महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी सभी 227 सीटों पर अकेले चुनाव लड़े। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मुंबई महानगरपालिका चुनाव में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच गठबंधन होगा या नहीं। दोनों में से किसी की ओर से भी कोई संकेत नहीं मिला है, लेकिन जैसे-जैसे ठाकरे बंधुओं की नजदीकियाँ बढ़ रही हैं, अलग-अलग विचारधाराएँ इस पर टिप्पणी कर रही हैं। एक ओर, पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने अपनी निजी राय जाहिर करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी को मुंबई महानगरपालिका चुनाव में 227 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए ताकि महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस कार्यकताओं को चुनाव लड़ने का अवसर मिले। मुंबई कांग्रेस पार्टी के महासचिव राम गोविंदा ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस

कार्यकर्ता अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे तो उन्हें हर वार्ड में काम करने और पार्टी को बढ़ाने का मौका मिलेगा. पार्टी कोई भी हो, उस पार्टी के कार्यकर्ता अलग तरीके से चुनाव लड़ना चाहते हैं. राम गोविंद ने आगे कहा कि भाई जगताप मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाल चुके हैं, उनका अनुभव और उनकी भूमिका निश्चित रूप से पार्टी के हित में होगी. अब स्थिति बदल गई है, कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी. कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए ₹ओट चोर गद्दी छोड़₹ आंदोलन को हर जगह अच्छी प्रतिक्रिया मिली है. मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर महाविकास अघाड़ी की स्थिति की घोषणा अभी नहीं की गई है. कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता इस संबंध में सही निर्णय की घोषणा करेंगे. मुंबई के हित में लिया गया निर्णय कांग्रेस कार्यकताओं को स्वीकार्य होगा, ऐसा मुंबई कांग्रेस महासचिव राम गोविंद ने कहा है।

मेट्रो की अलग-अलग लाइनों पर अलग-अलग नियम, दिव्यांग यात्रियों के साथ भेदभाव

मुंबई। मुंबई में मेट्रो यात्रा के दौरान दिव्यांग यात्रियों के साथ हो रहे भेदभाव को लेकर रोष की लहर उठी है। मेट्रो की लाइन 2अ और लाइन 7 पर दिव्यांग यात्रियों को किराए में छूट दी जाती है, लेकिन पास की ही लाइन 3 (अक्वा लाइन) पर अब तक यह सुविधा लागू नहीं की गई है। इस असमान नीति के कारण दिव्यांग यात्रियों को रोजाना आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्वास्थ्य और दिव्यांग प्रतिनिधि दीपक कैतके ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर इस भेदभाव पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। कैतके ने कहा, एक रूट पर छूट और दूसरे पर नहीं – यह साफ तौर पर भेदभाव है। यह दिव्यांगों के अधिकारों पर सीधा हमला है। इस भेदभाव के पीछे मेट्रो ऑपरेटरों की अलग-अलग नीतियां, स्मार्ट कार्ड सिस्टम की तकनीकी समस्याएं और शासन में समन्वय की कमी को मुख्य कारण बताया जा रहा है। सामाजिक संगठन और अधिकार संरक्षण संस्थाओं ने भी इस मुद्दे पर गंभीर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि दिव्यांग यात्रियों को किराए में छूट देना कोई सुविधा नहीं बल्कि कानूनन अधिकार है।Persons with Disabilities Act, 1995 और Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 के अनुसार राज्य और केंद्र सरकार पर दिव्यांगों के लिए सार्वजनिक परिवहन में छूट देना कानूनी जिम्मेदारी है। लेकिन कुछ मेट्रो लाइनों पर छूट देकर कुछ पर न देना स्पष्ट रूप से भेदभाव को दशार्ता है। दीपक कैतके ने चेतावनी दी है कि अगर तुरंत सुधार नहीं किया गया तो हम इस मुद्दे पर जोरदार आंदोलन करेंगे और सरकार को जिम्मेदार ठहराएंगे।

वृद्धा आश्रम में खादय सामग्री वितरित कर मनाई दिवाली

राष्ट्रीय हिंदू स्वयंसेवक संघ महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष दुबे की पहल

आदेश मिश्र

दिवा, ठाणे (उत्तरशक्ति)। दीपावली के पावन अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू स्वयंसेवक संघ महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व अधिवक्ता बिपिन कुमार दुबे ने वृद्धा आश्रम में अपनी टीम के साथ पहुंच कर वहां के बुजुर्गों को अपने हाथों से मिष्ठान सहित आदि खाद्य सामग्री खिलाकर दीपावली मनाकर शुभकामनाएं दी। दुबे के इस सेवा भाव से गदगद होकर आश्रम के बुजुर्गों ने विपिन दूबे को खूब आशीर्वाद दिए। और जीवन में गरीब और बुजुर्ग लोगों की ऐसी ही सेवा के साथ नेक पुनीत कार्य करने की सीख दी। मालूम हो कि दिवा पूर्व के साबे गांव स्थित अपना घर वृद्धा आश्रम है।राष्ट्रीय हिंदू स्वयंसेवक

संघ महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता बिपिन कुमार दुबे अपने साथी आकाश तिवारी , विनय दुबे, विनीत सिंह के साथ पहुंच कर वृद्धा आश्रम में मिठाई सहित आदि खाद्य सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की। विपिन दूबे का कहना है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा है। उन्होंने कहा कि यह सेवा करने से एक अलग सुख की अनुभूति होती है। मैं बड़ा ही सौभाग्यशाली हूं, जो ऐसी सेवा करने का मौका हमें मिला है। भविष्य में मुझसे जो बन पड़ेगा मैं लोगों की ऐसी सेवा के लिए तत्पर रहूंगा। हर मां बाप की यही तमन्ना होती है। हमारा बच्चा आगे चलकर हमारा सहारा बनेगा। लेकिन समाज के कुछ कंटक लोग ऐसी कृत्य कर रहे हैं। जो अपने ही मां बाप की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें वृद्धा आश्रम में छोड़ देते हैं। ऐसे में हम सभी को पहल कर आगे आना होगा। जिससे समाज के लिए भी कुछ कर पाए तो यह हम सभी का सौभाग्य होगा। ऐसे ही सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा हमें हमारे मां-बाप से हमें विरासत में मिली है।

अखिल पार्कसाइट सेवा संघ ने की रक्त बैंकों का निजीकरण न करने की अपील

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका के छह अस्पतालों में ब्लड बैंक निजी संस्थाओं के माध्यम से चलाने के प्रस्ताव का अखिल पार्कसाइट सेवा संघ ने कड़ा विरोध किया है। संघ ने इस संबंध में महाराष्ट्र के जनस्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर को पत्र लिखकर निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की है। समाचार माध्यमों से मिली जानकारी के अनुसार, नगर निगम ने बांद्रा भाभा, राजावाड़ी, कांदिवली शताब्दी, कुर्ला भाभा, एम.टी. अग्रवाल और भगवती अस्पतालों के ब्लड बैंकों को पीपीपी (निजी-सार्वजनिक भागीदारी) मॉडल पर चलाने का निर्णय लिया है। इसके लिए निविदा प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। विशेष रूप से कुर्ला भाभा, एम.टी. अग्रवाल और भगवती अस्पतालों में नए ब्लड बैंक खोलने के लिए आवश्यक 150 वर्गमीटर जगह की जगह 300 वर्गमीटर भूमि उपलब्ध कराई गई है, जिससे संदेह के बादल और गहरे हो गए हैं। संघ के अध्यक्ष सुनील काजरोलकर ने कहा कि नगर निगम के ब्लड बैंक अब तक गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त या बहुत कम मूल्य पर रक्त उपलब्ध कराते रहे हैं। ये बैंक गर्भवती महिलाओं, थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, कैंसर रोगियों और दुर्घटना पीड़ितों के लिए जीवनदायिनी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि ब्लड बैंकों का संचालन निजी संगठनों को सौंपा गया तो सेवा भावना और सामाजिक प्रतिबद्धता प्रभावित होगी, तथा रक्त की कीमतें बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित समझौते में गरीब मरीजों के लिए किसी रियायत या मुफ्त रक्त का प्रावधान नहीं है। साथ ही, अतिरिक्त जांचों का खर्च भी मरीजों पर डाला जाएगा, जिससे जरूरतमंद मरीज वंचित हो सकते हैं। सुनील काजरोलकर ने कहा कि ह्लनगर निगम को अपने इस निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए और ब्लड बैंकों की सामाजिक सेवा भावना को कायम रखना चाहिए। यह निर्णय जनहित में लिया जाना चाहिए, न कि निजी लाभ के दृष्टिकोण से।ह्व अखिल पार्कसाइट सेवा संघ पिछले 27 वर्षों से नियमित रक्तदान शिविरों का आयोजन करता आ रहा है और राजावाड़ी, नायर, कामा एल्बेस, लोकमान्य तिलक और सर जे.जे. अस्पतालों को बड़ी मात्रा में निःशुल्क रक्त उपलब्ध करा चुका है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बिहार चुनाव प्रचार का किया शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बिहार के बेगूसराय में जाकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस स्टार प्रचारक के रूप में एनडीए सरकार के लिए प्रचार किया और साथ ही साथ बिहार वासियों को दीपावली एवं छठ की शुभकामनाएं दीया। यहां भी महाराष्ट्र में उन्होंने बिहारी से जो प्रवासी बिहारी हैं उन लोगों से अपील की है कि जिन-जिन की वोटर कार्ड वहां के हैं वह लोग वहां जाएं और अपना बहुमूल्य मतदान जरूर करें और सरकार को अपना समर्थन दे।

छठ पूजा उत्सव मनाने की अनुमति देगी वसई-विरार महानगरपालिका

विधायक स्नेहा दुबे पंडित व राजन नाईक की पहल पर आयुक्त ने दिया सकारात्मक आश्वासन

वसई (उत्तरशक्ति)। आगामी 27 व 28 अक्टूबर 2025 को उत्तर भारतीय समाज द्वारा मनाए जाने वाले छठ पूजा उत्सव को लेकर वसई-विरार क्षेत्र में अनुमति से संबंधित संशय दूर हो गया है। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित एवं नालासोपारा के विधायक राजन नाईक के संयुक्त प्रयासों से महानगरपालिका द्वारा इस पर्व को पारंपरिक रूप से मनाने की दिशा में सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन मिला है।

पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर उच्च न्यायालय द्वारा प्राकृतिक जल स्त्रोतों में मूर्ति विसर्जन पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते इस वर्ष छठ पूजा तालाबों पर मनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, ऐसी चर्चा चल रही थी। इसके चलते नागरिकों ने स्थानीय

प्रतिनिधियों से हस्तक्षेप की मांग की थी।

विधायकों ने पालकमंत्री गणेश नाईक एवं वसई-विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी से विस्तृत चर्चा कर यह स्पष्ट किया कि छठ पूजा में किसी भी प्रकार का मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाता। इस पर्व में केवल सूर्य देवता को प्राकृतिक जल में अर्घ्य अर्पित किया जाता है।

विधायकों ने सुझाव दिया कि पर्यावरणीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए पूजा स्थलों पर निर्माल्य संग्रह हेतु बड़े कलश रखे जाएँ तथा स्वयंसेवकों के माध्यम से जल प्रदूषण रोकने की व्यवस्था की जाए।

आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी ने इस सामंजस्यपूर्ण मार्ग को स्वीकार करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से तत्काल उपाययोजना लागू की जाएगी, ताकि श्रद्धालु पारंपरिक पद्धति से छठ पूजा उत्सव उत्साहपूर्वक मना सकें।

भाईदूज पर मुलुंड में कुश्तियों का विराट दंगल सोल्लास संपन्न

मुंबई, मुलुंड (उत्तरशक्ति)। भाईदूज के पावन अवसर पर इस वर्ष भी मुलुंड में पारंपरिक कुश्ती का रोमांच देखने को मिला। जय मल्हार कुश्ती उत्सव मंडल, जय हनुमान व्यायाम शाला तथा मुलुंड सिटीजन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस विराट दंगल का यह लगातार 56वां वर्ष रहा। कार्यक्रम का आयोजन शिवाजी चौक मैदान, गुरु गोविंद सिंह मार्ग, मुलुंड कॉलोनी में किया गया। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता की शुरूआत मुंबई के पूर्व महापौर आर. आर. सिंह ने की थी, और इस बार मुकाबलों का शुभारंभ डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह (महासचिव, मुंबई कांग्रेस) द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में केतन शाह (अध्यक्ष, ईस्ट मुंबई जिला कांग्रेस) उपस्थित रहे, जबकि सन्मानित अतिथियों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी.के. तिवारी, गोविंद सिंह, राकेश शेट्टी, उत्तम गीते, डॉ. बाबूलाल सिंह, राजेश इंगले एवं समाजसेवी दयाशंकर सिंह शामिल थे।

विशिष्ट अतिथियों में संतोष सोनावने, विठ्ठल सातपुते, डॉ. सचिन सिंह, एड. शरीफ खान, प्रभाकर कांबले, डॉ. आर. एम. पाल, मैथ्यु चेरियन, पत्रकार अनिल शुक्ला, सुशील पाण्डेय, अविनाश पाण्डेय तथा संतोष जैसवार की उपस्थिति रही।महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से आए 25 जोड़ी पहलवानों ने रोमांचक मुकाबलों में भाग लिया। विजेता पहलवानों को अतिथियों द्वारा मेडल, प्रमाणपत्र और पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम की सफलता में आयोजक राजेंद्र उठवाल, मोहनलाल राज, चंद्रभान सिंह, भगवान किशोर तिवारी, रामू जैस्वाल, जब्बार शेख, जीतू शर्मा, ओमप्रकाश, कमला यादव, उमेश वाणी, सुदाम दरेकर, रईस खान, निक्सन, अवधेश पाण्डेय, मोहित सिंह, विपुल गोगरी, अनिल सिंह, बाबूलाल (देवेंद्र) सिंह और भोलानाथ सिंह का विशेष योगदान रहा।

मुलुंड के कुश्ती प्रेमियों ने भारी संख्या में पहुंचकर नामचीन पहलवानों की रोमांचक कुश्तियों का भरपूर आनंद उठाया। भाईदूज के इस पारंपरिक खेल आयोजन ने एक बार फिर स्थानीय खेल संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की।

बोईसर में नशे के विरोध में के.सी.एन. क्लब के युवा लामबंद

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर स्थिति केसीएन हाउस में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब द्वारा भाईदूज के अवसर पर बहनों को राहत दिलाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ₹नशा मुक्त भारत अभियान₹ के तहत एक जागरूकता रैली निकालने की रणनीति पर चर्चा कर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह राठौर व उपाध्यक्ष विक्रम शुक्ला ने पालघर जिले में युवाओं में नशे की बढ़ती लत को देखते हुए शीघ्र कदम उठाने का फैसला लिया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दन मिश्र त्यागी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि नशा आज समाज के लिए एक राक्षस बन गया है जो धीरे-धीरे देश के युवाओं को निगलता जा रहा है। एक तरफ जहां भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को विश्व पटल पर पहचान दिला रहे हैं तो वही हमारे भविष्य अर्थात विद्यार्थी व युवा नशे की चपेट में फंसते जा रहे

है। उन्होंने बताया कि नशे की बीमारी से निपटने के लिए लोगों के नशे की जड़ पर वार करने की जरूरत है हम सरकार से मांग करेंगे कि अवैध तरीके से चल रहे नशे कारोबारियों को जेल की हवा खिलाएं। इस अवसर पर क्लब के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष गंगाधर जगुश्टे ने सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए सभी से नशामुक्त समाज बनाने की अपील की और उपस्थित लोगों से इस संबंध में लगातार जागरूकता रैली निकालकर इस संदेश को घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया। उपरोक्त रैली का संचालन क्लब वरिष्ठ पदाधिकारी देवेंद्र मेश्राम ने किया। बैठक में डॉक्टर कृपाशंकर मिश्र, पूर्व सैनिक भाऊराव तायड़े, सन्तोष कुमार, अधिवक्ता शोभनाथ त्रिपाठी , राकेश आचार्य, यजुर्वेद सावे, सत्यप्रकाश सिंह, सत्येंद्र यादव, शैलेंद्र मिश्र, पवन पाण्डेय, नीता राऊत, संगीता जायसवाल , जयंती महतो सहित कई डॉक्टर , वकील , शिक्षक , स्कूली बच्चे के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए जिन्होंने नशा त्याग, एक स्वस्थ एवं निरोग जीवन अपनाने की सलाह दी और युवाओं का मार्गदर्शन किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पिता ने लाइसेंसी बंदूक से मारी गोली, पुत्र की मौत व बहू घायल

कहासुनी ने ले लिया खूनी रूप

मुजफ्फरनगर (उत्तरशक्ति)। जनपद के भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी में शुक्रवार की सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहाँ पिता-पुत्र के बीच हुई कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया। घटना में पिता ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से पुत्र और पुत्रवधू पर गोली चला दी, जिसमें पुत्र रॉबिन सहरावत (28) की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि पुत्रवधू रविता (25) गंभीर रूप से घायल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कस्बा भोकरहेड़ी निवासी बृजवीर (पिता) और उसके पुत्र रॉबिन सहरावत के बीच शुक्रवार की सुबह किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। बताया जा रहा है कि यह विवाद किसी पुरानी बात को लेकर बढ़ा था। विवाद बढ़ने पर आरोपी पिता बृजवीर ने आवेश में आकर अपनी लाइसेंसी बंदूक निकाल ली और पुत्र रॉबिन व पुत्रवधू रविता पर गोली चला दी।

गोली लगने से रॉबिन के पेट में और रविता के हाथ में गंभीर चोटें आईं। गोली की आवाज सुनकर पड़ोसी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल अवस्था में पति-पत्नी को तत्काल भोपा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें तत्काल जिला मुख्यालय के अस्पताल में रैफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाए जाने के दौरान, गंभीर रूप से घायल रॉबिन सहरावत ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुत्रवधू रविता की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने आरोपी पिता बृजवीर को हिरासत में ले लिया है और उससे गहन पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है कि आखिर कहासुनी ने इतना बड़ा रूप क्यों ले लिया।

लाइन बाजार पुलिस ने पाक्सो एक्ट में वांछित 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक लाइन बाजार के नेतृत्व में थाना लाइन पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-414/25 धारा-70(2), 351(3) बीएनएस व 5/6 पाक्सो एक्ट थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर में वांछित आरोपीगण, रिंकू सोनकर उर्फ छम्मी सोनकर पुत्र स्व0 बुद्दूल सोनकर, अजय सोनकर उर्फ पुल्लू सोनकर पुत्र पप्पू सोनकर निवासीगण रंजीतपुर थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर को मुखबीर खास की सूचना पर मडियाहूँ रोड बाईपास से आज दिनांक 24.10.2025 को समय 12.30 बजे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

तेजीबाजार पुलिस आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना तेजीबाजार पुलिस द्वारा 1 आरोपी को गिरफ्तार कर कब्जे से 01 अवैध देशी तमंचा .315 बोर बरामद किया है। क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष तेजीबाजार के नेतृत्व में थाना तेजीबाजार पुलिस टीम द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर सुजानगंज रोड भाऊपुर मोड़ से आरोपी राजन भारती पुत्र शम्भूनाथ भारती नि0 शाहपुर थाना सिकरारा जनपद को 01 अवैध देशी तमंचा .315 बोर के साथ आज दिनांक 24.10.2025 को गिरफ्तार कर अग्रिम विधि कार्यवाही करते हुए आरोपी को न्यायालय भेजा जा रहा है।

सोनभद्र में दामाद ने ममेरे ससुर को लाठी-डंडे से पीटकर मार डाला

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी कस्बे के मलदेवा गांव में गुरुवार की आधी रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां चोपन निवासी दारा प्रसाद ने अपने ममेरे ससुर की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में दहशत फैल गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, दारा प्रसाद पुत्र मुन्ना गुरुवार को अपने ससुराल मलदेवा गांव आया था। देर रात करीब साढ़े बारह बजे वह अचानक उठा और घर से बाहर निकलकर गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान बिरहा सुनने जा रहे ममेरे ससुर का चचेरा भाई उमेश पठारी (52) ने उसे टोका तो दारा ने उस पर हमला बोल दिया।

दारा ने लाठी-डंडे से उमेश के सिर और शरीर के कई हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोरगुल सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लहूलुहान हालत में उमेश को सीएचसी दुद्धी ले गए, जहां चिकित्सक डॉ. वरुणा निधि ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

खौफनाक मंजर देख सहमे लोग

घटना की जानकारी मिलते ही सीओ राजेश कुमार राय, कोतवाल स्वतंत्र कुमार सिंह और कस्बा चौकी इंचार्ज जयशंकर राय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी दारा प्रसाद पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से असामान्य व्यवहार कर रहा था। तीन दिन पहले भी उसने आसपास के लोगों से झगड़ा किया था। अचानक हुई इस घटना से परिजन और गांववाले स्तब्ध हैं। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

फ्लिपकार्ट गोदाम में लगी भीषण आग

चार फायर फाइटर की गाड़ी ने पाया काबू, आठ लाख रुपए के सामान हुये राख

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के प्रयागराज मार्ग स्थित फ्लिपकार्ट के सेंटर पॉइंट पर गुरुवार देर रात अचानक लगी भीषण आग से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैल गई कि देखते ही देखते लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुँचीं और जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।

फ्लिपकार्ट सेंटर के ऊपरी मंज़िल पर चल रहे एक क्लिनिक और पास में स्थित अस्पताल को एहतियातन खाली कराया गया, जिससे किसी बड़ी जनहानि से बचा जा सका। गोदाम के उपरी तल एवं बगल के हास्पिटल में भर्ती मरीजों को अन्यत्र भेजा गया। शॉर्ट सर्किट से आग भड़कने की सम्भावना जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक कारणों की जांच प्रशासन द्वारा की जा रही है।

नगर के खुटहन रोड पर स्थित है एलास्टिक रन कम्पनी का वेयर हाउस

मौके पर पुलिस उपाधीक्षक अजीत सिंह चौहान कोतवाली प्रभारी के के सिंह आदि मौके पर पहुंच हालात पर काबू पाया। सीओ अजीत सिंह ने बताया कि एलास्टिक रन कम्पनी फ्लिपकार्ट का पार्सल सप्लाई करती है। लगभग आठ लाख रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। कुल चार फायर फाइटर की गाड़ियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। वहीं मैनेजर दिनेश कुमार ने बताया कि लाखों का माल जला है। अभी आकलन किया जा रहा है। वहीं नुकसान अनुमान से ज्यादा बताया जा रहा है। फिलहाल स्पष्ट स्थित जांच के बाद ही पता चल सकेगा।

आरक्षित कर्बला भूमि व अवैध चंदा वसूली का प्रकरण पहुंचा मुख्यमंत्री दरबार

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिए जांच के निर्देश

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज में अंजुमन इस्लामिया कमेटी के अध्यक्ष मुस्ताक अहमद द्वारा श्रेणी 6/3 की आरक्षित कर्बला भूमि पर किए गए कथित अवैध निर्माण, कस्बे में अवैध मदरसा संचालन तथा मदरसे के नाम पर अवैध चंदा वसूली के प्रकरण ने तूल पकड़ लिया है।

इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, काशी क्षेत्र के सदस्य अल्ताफ अहमद कादरी द्वारा पूर्व में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोनभद्र को विस्तृत शिकायत पत्र दिया गया था।

हालांकि, राजनीतिक दबाव और रसूख के चलते प्रकरण को केवल जांच के नाम पर टाल-मटोल किया जाता रहा। इसी क्रम में श्री अल्ताफ कादरी ने गोरखपुर स्थित मठ मंदिर में आयोजित मुख्यमंत्री जनसुनवाई दरबार में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पूरा प्रकरण प्रस्तुत किया।

शिकायत में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, स्थानीय लेखपाल और नियत प्राधिकारी कार्यालय के कुछ अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। साथ ही आरक्षित भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने, अवैध मदरसों के संचालन और अवैध चंदा वसूली की उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी सोनभद्र को सम्पूर्ण प्रकरण की जांच कराकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

छठ पूजा एवं देव दीपवली को लेकर चौकियां धाम में हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मां शीतला चौकियां धाम में गुरूवार को दोपहर 1 बजे छठ पूजा एवं देव दीपावली को लेकर बैठक हुई, जहां मन्दिर के बगल में स्थित पवित्र कुण्ड की साफ–सफाई सुरक्षा व्यवस्था आदि को लेकर ट्रेनी आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने बताया कि 27 अक्टूबर को शाम व 28 अक्टूबर की सुबह थाना पुलिस जवान, महिला पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड पुलिस टीम के जवानों की तैनाती कुण्ड में की जायेगी, सुरक्षा की चाक–चौबन्द व्यवस्था पुलिस जवानों द्वारा की जायेगी। इस दौरान नगर पालिका परिषद द्वारा भरे कुण्ड के पानी को बाहर निकाला जा रहा था। कुण्ड में लगे रेलिंग की साफ–सफाई, चुने का छिड़काव, सीढ़ियों की सफाई, प्रकाश आदि व्यवस्था दो दिनों के भीतर करायी जायेगी जिससे छठ पूजन पर किसी भी प्रकार का कोई कठिनाई न हो। इस अवसर पर महंत विनय त्रिपाठी, सुमित त्रिपाठी, गुड्डू उपाध्याय, प्रवेश उपाध्याय, सचिन गिरी, विनय गिरी, अनील सोनकर, धीरज त्रिपाठी, संजय माली, लालमनि माली, लाइन बाजार थानाध्यक्ष सतीश सिंह, शीतला चौकियां चौकी प्रभारी ईश यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पेड़ की डाली से लटकती मिली युवक की लाश, पुलिस जाँच में जुटी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में राजातालाब थाना क्षेत्र के कनकपुर गांव में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक व्यक्ति का शव आम के पेड़ से लटकता मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की शिनाख्त कनकपुर निवासी बचई गोंड (45 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय बुल्लू गोंड के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने आम के पेड़ की डाल पर गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, बचई गोंड सुबह से ही घर से बाहर थे। बाद में जब कुछ ग्रामीण बगीचे की ओर गए तो उन्होंने शव को लटकता देखा और शोर मचाया। सूचना मिलते ही परिवारजन भी मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

प्रयागराज के सिविल लाइंस में पत्रकार की हत्या, दो घंटे बाद पुलिस मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। शहर के सिविल लाइंस एरिया में गुरूवार रात 10:30 बजे स्थानीय पत्रकार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद एक्टिव पुलिस टीमों ने शहर में छानबीन शुरू की ,करीब दो घंटे बाद ही पत्रकार की हत्या में शामिल आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पीलीभीत जिले में जन्मदिन विवाद के दौरान दोस्तों ने युवक की हत्या कर दी।

एडिशनल सीपी कानून-व्यवस्था अजय पाल शर्मा ने बताया कि आरोपियों से 22 अक्टूबर को किसी बात को लेकर पत्रकार लक्ष्मी नारायण सिंह की कहासुनी हुई थी। हत्या की वजह यही विवाद था, आरोपी ने 22 अक्टूबर को ही मछली बाजार से चाकू खरीदा और मौका देखकर हत्या कर दी।

अजय पाल शर्मा ने बताया कि इस घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त की तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हत्या के आरोपियों को बक्शा नहीं जाएगा। मृतक के परिवार को हर संभव जरूरी मदद भी की जाएगी।

सिविल लाइन में हत्याः पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पत्रकार एलएन सिंह (50) धूमनगंज थाना क्षेत्र के अल्कापुरी कॉलोनी में रहते थे ' वह कई वर्षों से प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े थे ' गुरूवार रात करीब 10.30 बजे सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के धरना स्थल के पास एलएन सिंह बैठे हुए थे' तभी दो युवक मौके पर चाकू लेकर पहुंचे और एलएन सिंह पर ताबड़तोड़ चाकुओं से हमला बोल दिया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल एलएन सिंह को अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

पत्रकार एलएल सिंह हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह के भतीजे थे। हत्या के बाद काफी संख्या में वकील और पत्रकार मौके पर पहुंचे। पुलिस के सीनियर अधिकारियों ने भी घटनास्थल का जायजा लिया और आरोपी को पकड़ने की रणनीति बनाई।

सूचना के बाद पुलिस ने नेहरू पार्क, धूमनगंज में घेराबंदी की,बदमाशों ने पुलिस को देखकर फायरिंग शुरू कर दी, जवाबी कार्रवाई में आरोपी विशाल के दोनों पैरों में गोली लगी,उसे इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

एकता परेड–2025 हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2025 को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर, गुजरात में आयोजित होने वाली एकता परेड-2025 के संदर्भ में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के निदेशानुसार प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से 100 व्यक्तियों को इस परेड में सम्मिलित होने हेतु भेजा जाएगा।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद से चयनित व्यक्तियों की सूची, पहचान पत्र, चिकित्सा संबंधी आवश्यक जानकारी एवं अन्य दस्तावेज पूर्व में संकलित कर सुरक्षित रखे जाएँ, तथा सत्यापन भी कर लिया जाए जिससे यात्रा एवं आयोजन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय समरसता के प्रति जनसंदेश देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें जिले से चयनित प्रतिनिधियों की सहभागिता गौरव का विषय होगी। जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों से अपील की है कि वे शासन द्वारा संचालित समर्थ पोर्टल पर अपने सकारात्मक सुझाव एवं रचनात्मक विचार अवश्य साझा करें।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुष श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

जान से मारने की धमकी से दहशत में व्यक्ति, पुलिस से सुरक्षा की मांग

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के ग्राम आलमगंज निवासी अशोक कुमार बारी पुत्र स्वर्गीय दया शंकर बारी ने पुलिस से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है। प्रार्थी ने बताया कि वह हाल ही में विजय गिरी पोखरा निवासी विभूति नारायण पर हुए जानलेवा हमले के बाद उन्हें देखने सदर अस्पताल, जौनपुर गया था। घर लौटने के बाद विजय गिरी पोखरा, पोस्ट मनापुर निवासी अशोक शर्मा ने उन्हें बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन उनके मोबाइल पर आया था, जिसमें कहा गया कि अशोक कुमार पर जानलेवा हमला किया जाएगा। प्रार्थी के अनुसार, उन्होंने कई बार उस कॉलर का मोबाइल नंबर पूछने की कोशिश की, लेकिन अशोक शर्मा ने वह नंबर बताने से इनकार कर दिया। इस घटना के बाद से अशोक कुमार और उनका परिवार भयभीत है। उन्होंने थाना बरसठी पुलिस प्रशासन से उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

राज्य ललित कला अकादमी की कलाआचार्य प्रदर्शनी संचरण का भव्य उद्घाटन 25 अक्टूबर को

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केद्र प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में कला आचार्य प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रयागराज के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि केंद्रीय ललित कला अकदेमी के क्षेत्रीय सचिव देवेंद्र त्रिपाठी के कर-कमलों से 25 अक्टूबर को प्रातः 11:00 बजे गांधी कला विथिका में होगा। इस प्रदर्शनी का शानदार संयोजन इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के दृश्यकला विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.सचिन सैनी ने किया है। आचार्य प्रदर्शनी के संरक्षक राज्य ललित कला अकाडमी के सदस्य कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा हैं। उत्तर मध्य क्षेत्र संस्कृति केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा एवं राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि नौ जिलों के इंटरमीडिएट, डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के 55 कला आचार्यों की शानदार पेंटिंग्स इस प्रदर्शनी में दर्शकों का मन मोह लेंगी। इस प्रदर्शनी के आयोजन समिति में शामिल डॉ अनीता वर्मा, रश्मि विश्वकर्मा, आशुतोष त्रिपाठी एवं पूनम कुशवाहा का अतुलनीय योगदान रहा।

खेतासराय पुलिस ने आर्टिका कार में लदे 2 बछडों सहित 2 शातिर गो-तस्कर/हिस्ट्रीशटर को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर, आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज, अजित सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष, प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में आज दिनांक-24.10.2025 की रात्रि को मुखबीर खास की सूचना पर अर्ध निर्मित बाई पास लेदरही पुलिया के पास से एक अर्टिकाकार में बरबर्ता पूर्वक लदे दो राशि बछडो सहित 02 शातिर गो-तस्कर अपराधी ,कासिफ उर्फ सोनू पुत्र शहाबुद्दीन शाह निवासी सेठुआपारा थाना खुटहन जनपद जौनपुर, ताजीम उर्फ तहजीम उर्फ तंजीम पुत्र नसीम निवासी रानीमऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर जो थाना स्थानीय का हिस्ट्रीशटर अपराधी है को मौके से गिरफ्तार कर मु0अ0सं0 224/2025 धारा 109(1) बीएनएस व 3/5ए/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

दुनिया में कोई ऐसा मजहब नहीं जो इंसानों को बांटने का हुक्म देता होः मौलाना सैयद हबीब बंदवी

आफताब आलम

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां स्थित मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मौलाना सैयद हबीब बंदवी ने कहा कि इस्लाम अमन का पैगाम देता है और दुनिया में कोई भी ऐसा मजहब नहीं है जो इंसानों को बांटने का हुक्म देता हो। कार्यक्रम की शुरूआत कुरआन पाक की आयतों से हुई।

बोले- इस्लाम अमन का देता है पैगाम

मौलाना बंदवी ने जोर देकर कहा कि सभी धर्म शांति और भाईचारे का संदेश देते हैं। उन्होंने पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की शिक्षाओं का उल्लेख किया। जिन्होंने दुनिया को सच्चाई का मार्ग दिखाया और इंसानियत का पाठ पढ़ाया। उन्होंने बड़ों का आदर करने, छोटों से प्यार करने, पड़ोसियों के हक अदा करने और एक-दूसरे के सुख-दुख में काम आने की नसीहत दी। मौलाना ने नेक रास्ते पर चलकर जीवन व्यतीत करने, सच्चाई पर कायम रहने और बुराइयों से बचने की शिक्षा दी। उन्होंने बताया कि पैगंबर साहब ने इस्लाम में औरतों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया। मौलाना ने समाज में फैली बुराइयों, खासकर दहेज प्रथा और बेटियों के प्रति होने वाले कुकृत्यों का कड़ा विरोध किया।उन्होंने कहा कि इस प्रथा को समाप्त कर बेटियों को समाज में उच्च स्थान दिलाना समय की अहम जरूरत है, जिसके लिए सामाजिक वातावरण तैयार करना होगा। मौलाना ने नौजवानों में बढ़ती अपराध प्रवृत्ति, शराबखोरी और गलत संगत से दूर रहने की भी अपील की, ताकि वे अपनी खुशहाल जिंदगी को बर्बादी के रास्ते पर जाने से बचा सकें।

मौलाना बंदवी ने कहा कि यदि देश के हिंदू और मुसलमान एकजुट हो जाएं, तो भारत दुनिया का सबसे महान राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने युवा लड़कों से शिक्षा में हिस्सा लेने और समाज में फैली बुराइयों को रोकने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में देश में अमन, खुशहाली, तरक्की और शांति के लिए दुआ मांगी गई। इस अवसर पर मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद के इमाम हाफिज रियाज अहमद, मौलाना अमजद कासमी, हाफिज मो. अखलद सहित गांव के कई सम्मानित और बुद्धिजीवी लोग उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के घर हुई चोरी से गांव में दहशत

बरदह,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। बरदह थाना अंतर्गत स्थित ग्राम सभा जमुआवा में सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी सभाजीत सरोज के घर में रात के समय चोरों ने धावा बोलकर लगभग 35 लाख रुपये की चोरी की। घटना उस समय हुई जब सरोज का पूरा परिवार अलग-अलग स्थानों पर गया हुआ था और वे अकेले अपने घर में सो रहे थे।

रात के समय चोरों ने पीछे की खिड़की का ग्रिल काटकर आराम से घर में प्रवेश किया। चोरों ने अंदर जाकर तीन कमरे की अलमारियाँ और बक्सों को पूरी तरह खोलकर उनका सारा सामान, जेवरात और नगद पैसे चुरा लिए। चोरों ने इतने बड़े पैमाने पर चोरी की कि कुल कीमते लगभग 35 लाख रुपये बताई जा रही हैं।सुबह जब सभाजीत सरोज की नींद खुली, तो उन्होंने देखा कि दरवाजा खुला हुआ था और घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। सरोज ने तुरंत शोर मचाया, जिससे आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद उन्होंने 112 पर फोन करके पुलिस को सूचना दी। चौकी प्रभारी ठेकमा, राजेंद्र पटेल ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली और पुलिस फोर्स तत्काल जांच में जुटी।पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आजमगढ जिले से स्वान टीम को भी बुलाया, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। सभाजीत सरोज के दो बेटे उत्तर प्रदेश पुलिस और सीआईएफ में कार्यरत हैं, जबकि तीसरा बेटा जितेंद्र कुमार छठ पूजा मनाने कानपुर गया हुआ था।

पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है और चोरों की तलाश जारी है। लोकल निवासियों में डर का माहौल देखा जा रहा है और सभी निवासियों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। पुलिस प्रशासन ने सभी लोगों को सतर्क रहने का सुझाव दिया है। थाना अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बताए कि जाच चल रही है चोर जल्दी पकड़ा जाएगा।

स्व श्रीमती धनूबाई की श्रद्धांजलि सभा एवं पगड़ी दस्तूर 30 को

उदयपुर (उत्तरशक्ति)। श्री सकल दिगम्बर जैन चितौड़ा समाज मेवाड़ के समस्त पंचों को सूचित करते हुए गहरी वेदना एवं दुख हो रहा है कि पेमावत परिवार की वरिष्ठ एवं पूज्यनीय मातोश्री धनुबाई धर्म पत्नी स्व. श्री जसराज पेमावत सेमाल का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक 14-10-2025 वार मंगलवार को मुंबई स्थित कांदिवली में हुआ जिनकी शोकसभा एवं पगड़ी दस्तुर का कार्यक्रम उनके पैतृक गांव सेमाल, तहसील सराड़ा जिला उदयपुर में 30-10-2025 वार गुरुवार दोपहर 2.15 बजे रखा गया है। समाज के समस्त श्रेष्ठीगणों से निवेदन है कि उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करके श्रद्धांजलि पुष्पांजलि विनयांजलि प्रदान करने का कष्ट करें। यह जानकारी उनके पुत्र पत्रकार राजमल जैन पेमावत ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

उप जिलाधिकारी और वैभव सिंह ने किया तालाब का निरीक्षण

जौनपुर। बदलापुर नगर पंचायत के वार्ड नं 5 भलुआही में में पक्का पोखरा पर होने वाले छठ पूजा स्थल का शुक्रवार को एसडीएम योगिता सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि वैभव सिंह ने बारीकी से निरीक्षण किया। छठ पूजा को लेकर चेयरमैन चेयरमैन सीमा सिंह द्वारा नहर पटरी से घाट तक कुल 150 मीटर इंटर लॉकिंग सड़क कार्य का मरम्मत कार्य तीव्र गति से चल रहा है। छठ पूजा स्थल पर 20 सफाई कर्मचारी, जेसीबी, दो सफाई नायक, पेंटिंग आदि का कार्य कराया जा रहा है। श्री सिंह ने बताया कि आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर पोखरा को भव्य तरीके से सजाया जायेगा और दो दिन संगीत का भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ल, तहसीलदार मृदुल दुबे, पवन उपाध्याय, अवनीश सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

मतदाताओं को जागरूक करेंगे विकास मित्र: बिंदु कुमार

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में 6 नवंबर से होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर महाराजगंज प्रखंड में प्रशासन ने मतदाता जागरूकता अभियान को सुदृढ़ करने के लिए चुनाव कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी बिंदु कुमार ने सभी टोला सेवकों और विकास मित्रों को निर्देश दिया कि वे महादलित बस्तियों में घर-घर जाकर मतदाताओं को वोट के महत्व के प्रति जागरूक करें। उनका कहना था कि मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोग अपने मताधिकार को समझें और लोकतंत्र के इस महापर्व में पूर्ण सक्रियता के साथ भाग लें। साथ ही अन्य अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया।

छठव्रतियों की सुविधाओं को लेकर बीजेपी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

भायंदर। महाराष्ट्र राज्य के पूर्व राज्यमंत्री तथा महाराष्ट्र सांस्कृतिक महामंडळ के पूर्व चेयरमैन अमरजीत मिश्र के नेतृत्व में आज भाजपा का प्रतिनिधि मंडल मीराभाईंदर वसई विरार पोलीस आयुक्तालय के पोलीस आयुक्त निकेत कौशिक तथा मीराभाईंदर महानगरपालिका के उपायुक्त कल्पना पिंपळे व शहर अभियंता दीपक खांबीत के साथ बैठक कर छठ पूजा की तैयारियों व व्यवस्था के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। संपूर्ण मीराभाईंदर में छठ पूजा के छठ व्रतियों व छठ भक्तों को सभी सुविधाएं तथा सुरक्षा मिलने हेतु चर्चा की गई। छठ पूजा के सभी स्थानों पर जन सुविधा केन्द्र, खोया पाया केंद्र, शौचालय, पीने के पानी, प्राथमिक उपचार केंद्र, अग्निशामक दल,रुग्णवाहिका, लाइफ गार्ड के साथ बोट, सूचना केंद्र, समुचित यातायात व्यवस्था, समुचित पोलीस सुरक्षा व्यवस्था. बिजली, रोशनी की व्यवस्था आदि सभी जरूरी व्यवस्था की गई हैं इसकी जानकारी उपरोक्त अधिकारियों ने दी. इसके पहले भारतीय जनता पार्टी के विधायक नरेंद्र मेहता ने आयुक्त राधा विनोद शर्मा से सभी प्रकार की अनुमति देने तथा सभी प्रकार की सुविधा व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु निवेदन किया था. प्रतिनिधी मंडल में भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता, उत्तर भारतीय नेता शैलेश पांडे, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के मीराभाईंदर जिला अध्यक्ष संतोष दीक्षित ,भाजपा बिहार प्रकोष्ठ के मीराभाईंदर जिला संयोजक फूलकुमार झा भी बैठक में उपस्थित थे।

समरस फाउंडेशन ने किया डॉक्टर विकास उपाध्याय का सम्मान

जौनपुर। जनपद के नयीगंज स्थित मां शारदा चिकित्सालय के अधिष्ठाता एमडी फीजिशियन डॉक्टर विकास उपाध्याय का मुम्बई की समाजसेवी संस्था समरस फाउंडेशन ने शुक्रवार को अस्पताल परिसर में एक समारोह आयोजित कर सम्मान किया। सत्कार से अभिभूत डॉक्टर विकास ने कहा कि यह सम्मान उन्हें गरीब, लाचार और बेसहारा लोगों की सेवा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। वैसे भी मेरा मानना रहा है कि एक डाक्टर के लिए चिकित्सीय पेशा नहीं वल्कि सेवा का पवित्र स्थल है। संस्था के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पाण्डेय ने उन्हें अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए कहा कि चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप माने जाते है। संस्था के सभी से पता चलता है कि सरलता और सहजता के प्रतीक डाक्टर विकास ने मधुमेह, सांस, ब्लडप्रेशर, मोटापा,पेट आदि रोगों से ग्रसित दर्जनों मरीजों का उपचार कर उन्हें नया जीवन प्रदान किया है। इसी प्रतिभा की पहचान के बाद संस्था ने उत्साहवर्धन के लिए उन्हें सम्मानित करने का पूर्व में ही निर्णय लिया था। इस मौके पर मुम्बई के वरिष्ठ पत्रकार राजेश उपाध्याय, दैनिक जागरण के पत्रकार प्रमोद पाण्डेय, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश तिवारी, नरेंद्र उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

थॉमस कुक ने इनोवेशन और सामरिक टाई-अप्स की मदद से उच्च क्षमता वाले सीनियर ट्रैवल सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत की

मुंबई। भारत में युवा आबादी के बारे में काफी कहा जा चुका है। लेकिन इसके साथ ही देश में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी भी बहुत तेजी से बढ़ रही है। 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोग साल 2025 तक 347 मिलियन तक पहुँच जाएंगे, जो कुल आबादी के 21 प्रतिशत के बराबर होंगे (पीडब्लूसी-ए.एस.एल.आई सीनियर केयर रिपोर्ट 2024 और यू.एन.एफ.पी.ए 2023)।

आबादी में हो रहे इस बड़े परिवर्तन तथा 55 साल से अधिक उम्र के लोगों की बढ़ती अपेक्षाओं को देखते हुए, भारत की अग्रणी ऑम्नीचैनल ट्रैवल सर्विसेज कंपनी, थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड इस उच्च क्षमता वाले सेगमेंट पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है।

इस वर्ग के बीच यात्रा की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए थॉमस कुक ने जेन एस लाईफ के साथ साझेदारी की है। यह 55 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए एक अग्रणी जीवनशैली और सामुदायिक प्लेटफॉर्म है। इस सहयोग के अंतर्गत, ये दोनों ब्रांड बुधवार, 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे जूम पर शैक्षणिक वेबिनार का आयोजन कर रहे हैं। इस वेबिनार का विषय 55 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए तीर्थयात्रा के सफर को आसान व आनंददायक बनाना है। यह वेबिनार निशुल्क है और इसका उद्देश्य विशेषज्ञ मार्गदर्शन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की यात्रा की विशेष जरूरतों को पूरा करना है।

इस सत्र में मशहूर कोरियोग्राफर और यात्री, संदीप सोपरकर के साथ थॉमस कुक के विशेषज्ञ टूर मैनेजर हिस्सा ले रहे हैं। वो वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा करने के लिए अनुकूलित सुझाव, स्थानों की जानकारी तथा स्वास्थ्य के बारे में परामर्श प्रदान करेंगे।

भारत और इसके द्वीप समूहों में थॉमस कुक के विस्तृत आध्यात्मिक नेटवर्क में वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, मथुरा, वृंदावन, बोधगया, नेपाल में पोखरा और दक्षिण भारत में मदुरई, तिरुपति, रामेश्वरम और कन्याकुमारी तक भिन्न-भिन्न स्थानों के लिए विशेषज्ञ बताएंगे कि हर सफर को आसान बनाने के लिए किस प्रकार सुविधा और प्रीमियम कम्फर्ट की व्यवस्था की जाती है।

थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं कंट्री हेड, होलिडेज, एम.आई.सी.ई, वीजा, श्री राजीव काले ने कहा, भारत में बढ़ती जीवन प्रत्याशा, डिजिटल समावेशन, और ज्यादा आय के साथ सिल्वर इकॉनॉमी बहुत तेजी से विकास कर रही है। वरिष्ठ नागरिक अब अप्रत्यक्ष यात्री नहीं रह गए हैं। वो जिज्ञासु हैं। आत्मविश्वास से भरे हैं।

स्थानों की खोज करना चाहते हैं। उनके पास बिना किसी समझौते के यात्रा करने के लिए समय और साधन, दोनों उपलब्ध हैं। जेन एस लाईफ की संस्थापिका, मिस मीनाक्षी मेनन ने कहा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीर्थयात्रा बहुत व्यक्तिगत और महत्वपूर्ण विषय है। लेकिन लॉजिस्टिक्स की कमी की वजह से वो अक्सर अपनी यह इच्छा पूरी नहीं कर पाते हैं। थॉमस कुक के साथ हमारी साझेदारी उन्हें सुरक्षा, सुविधा और सामुदायिकता प्रदान कर रही है ताकि वरिष्ठ नागरिक बेहिचक यात्रा कर सकें। यह अभियान

एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में मतदाता गोलबंद हो गए हैं: डॉ महाचंद्र प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के शहीद स्मारक चौक के नजदीक शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के जदयू प्रत्याशी हेमनारायण साह के प्रधान चुनावी कार्यालय का उद्घाटन एनडीए के नेता डॉ मा चंद्र प्रसाद सिंह व एनडीए प्रत्याशी हेम नारायण साह, जेडीयू के जिला अध्यक्ष, चंद्रकांत सिंह, नेत्री निर्मला जायसवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री महाचंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि एनडीए प्रत्याशी हेमनारायण साह स्थानीय है। जिसके चलते इनके पक्ष में तुफान चल रहा है। इसके पूर्व बाहरी प्रत्याशी को जनता झेल चुकी है। इसबार झांसे में आनेवाली नहीं है। एनडीए प्रत्याशी ने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिल रहा है। जिससे प्रभावित होकर लोग एक तरफा रूप से एनडीए के पक्ष में हैं। मौके पर निर्मला जयसवाल, मुखिया आलोक सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, जदयू नगर अध्यक्ष हरिशंकर आशीष, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह राजपुत, भाजपा जिला प्रवक्ता मोहन कुमार पद्माकर, रविन्द्र प्रसाद, विनोद बरनवाल, भाजपा युवा मोर्चा के डॉ. मृत्युंजय कुमार सिकु, सतेंद्र ठाकुर, भाजपा नगर उपाध्यक्ष मो.आरिफ, रविंदर सिंह, हरि सिंह, ललन सिंह, प्रेमशंकर प्रेमी, मिठाईलाल, पप्पू सिंह, मनोज कुमार त्यागी, डॉ. त्रिपुरारी शरण सिंह, अजय कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष चंदन कुमार, ओमप्रकाश गुप्ता उर्फ लोहा, मानवेंद्र कुमार अभय, सुमन कुमार सेनानी, प्रेमप्रकाश गुप्ता, शंकर प्रसाद, सतेंद्र यादव, सुरेश प्रसाद, संतोष सोनी, भाजपा नेता मनीष सिंह, राहुल सिंह, सुधीर सिंह, शशिभूषण सिंह, अखिलेश्वर चौरसिया, सत्येंद्र ठाकुर उपस्थित थे।

क्लासिक लीजेंड्स ने खरीदारों से कहा 'अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ!

मुंबई। प्रामाणिक परफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइकिलों को फिर से स्टाइल में लाने वाली कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने ग्राहकों के लिए 'अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ' ऑफर शुरू किया है। इस ऑफर के तहत राइडर्स आज ही अपनी सपनों की मोटरसाइकिल घर ले जा सकते हैं और इसकी ईएमआई 2026 से ही शुरू कर सकते हैं। देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) में से एक, एलएंडटी फाइनेंस के साथ साझेदारी में शुरू किए गए इस ऑफर की बदौलत ब्रांड अपनी क्लासिक मोटरसाइकिलों को खरीदना अधिक सुलभ बना रहा है, जो इसकी मोटरसाइकिलिंग को और अधिक आनंददायक बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

खरीदार अब आवश्यक डाउन पेमेंट देने के बाद अपने पसंदीदा जावा, येज्दी या बीएसए मोटरसाइकिल की डिलीवरी ले सकते हैं। लोन दिए जाने की तिथि के बाद पहले दो महीनों के लिए सिर्फ अर्जित ब्याज का भुगतान करना होगा, कोई मूल ईएमआई नहीं देनी होगी। उदाहरण के लिए, अगर कोई लोन अक्तूबर 2025 में दिया जाता है, तो पहली नियमित ईएमआई जनवरी 2026 में शुरू होगी। कुल लोन अवधि 36 महीनों तक बढ़ सकती है, जिसमें ईएमआई अवकाश अवधि सहित 38 महीनों में पुनर्भुगतान पूरा हो सकता है। यह विशेष फेस्टिवल फाइनांसिंग स्कीम बीएसए गोल्ड स्टार 650 के लिए भी उपलब्ध है। यह एक प्रामाणिक ब्रिटिश मोटरसाइकिल है, जिसे अलग दिखने के लिए डिजाइन किया गया है और यह जीएसटी 2.0 से पहले की कीमत पर उपलब्ध है। क्लासिक लीजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ बिजनेस अफसर शरद अग्रवाल ने कहा, ₹अधिकांश राइडर्स के लिए, हमारी मोटरसाइकिलों में से एक का मालिक होना उतना ही व्यावहारिक है जितना कि एक क्लासिक मोटरसाइकिल के लिए भावनात्मक आकर्षण। हमारा 'अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ' ऑफर उत्सव के इस मौसम में खरीदारी को आसान और खास बनाता है। हमारे खरीदार बिना इंतजार किए जावा, येजदी या बीएसए को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना सकते हैं, जबकि हमारा ऑफर 2026 तक ईएमआई भुगतान के दबाव को कम करता है। एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड के अर्बन सिक्योर्ड एसेट्स एंड थर्ड-पार्टी प्रोडक्ट्स के चीफ एग्जीक्यूटिव जिनेश शाह ने कहा, ₹हमें क्लासिक लीजेंड्स के साथ साझेदारी करके बेहद खुशी हो रही है, खासकर इस खुशी भरे त्योहारी सीजन में। 'अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ' ऑफर हमारे संभावित ग्राहकों के लिए वाकई फायदेमंद होगा। वित्तीय लचीलापन देकर, हम एक शानदार मोटरसाइकिल के मालिक होने के सपने को साकार करने में मदद कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि ग्राहक हमारे साथ अपने पसंदीदा फाइनेंसर के रूप में इस असाधारण अवसर का लाभ उठाएंगे।

छठ पूजा में सर्व सुविधा उपलब्ध कराने हेतु भाजपा मैदान में

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महाराष्ट्र राज्य के पूर्व राज्यमंत्री ,पूर्व चेयरमैन महाराष्ट्र सांस्कृतिक महामंडल अमरजीत मिश्र के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधि मंडल मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक तथा मीरा भायंदर महानगरपालिका के उपायुक्त श्रीमती कल्पिता पिंपले वो शहर अभियंता दीपक खांबीत के साथ बैठक कर छठ पूजा की तैयारियों व व्यवस्था के बारे में विस्तार से चर्चा की गई, संपूर्ण मीरा भायंदर में छठ पूजा के छठ व्रतियों व छठ भक्तों को सभी सुविधाएं तथा सुरक्षा मिलने हेतु चर्चा की गई. छठ पूजा के सभी स्थानों पर जन सुविधा केन्द्र, खोया पाया केंद्र, शौचालय, पीने के पानी, प्राथमिक उपचार केंद्र, अग्निशामक दल, रुग्ण वाहिका, लाइफ गार्ड के साथ बोट, सूचना केंद्र, समुचित यातायात व्यवस्था, समुचित पुलिस सुरक्षा व्यवस्था. बिजली , रोशनी की व्यवस्था आदि सभी जरूरी व्यवस्था की गई हैं। इस की जानकारी उपरोक्त अधिकारियों ने दी। इसके पहले भारतीय जनता पार्टी के विधायक नरेंद्र मेहता ने आयुक्त राधा विनोद शर्मा से सभी प्रकार की अनुमती देने तथा सभी प्रकार की सुविधा व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु निवेदन किया है। प्रतिनिधी मंडल में भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता, उत्तर भारतीय नेता शैलेश पांडे, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के मीरा भायंदर जिला अध्यक्ष संतोष दीक्षित, भाजपा बिहार प्रकोष्ठ के मीरा भायंदर जिला संयोजक फूलकुमार झा, भी बैठक में उपस्थित थे।

छठ पर्व शांति और सौहार्द के साथ मनाएं, मिलेगा प्रशासनिक सहयोग

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में लोक आस्था के महान पर्व छठ पूजा को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए प्रशासन हर संभव सहयोग मुहैया करने का आश्वासन महाराजगंज के एसडीओ अनीता सिन्हा एसडीपीओ अमन कुमार दिया है, साथ ही, पर्व के दौरान भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की बात कही है। यह आश्वासन शुक्रवार अपराह्न को अनुमंडल कार्यालय में कहा है। अधिकारी प्रीस्ट ने स्पष्ट किया कि पर्व की शांति भंग करने अथवा धार्मिक उन्माद फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

इसके लिए प्रशासन ने चिन्हित स्थानों एवं व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने की व्यवस्था पर बल दिया है। एसडीओ अनीता सिन्हा ने कहा कि छठ पूजा आस्था का महापर्व है और इसे मिलजुल कर शांतिपूर्वक ढंग से मनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों से अपील कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति स व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। एसडीपीओ अमन कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए य बताया कि सभी छठ घाटों और सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किए जाएंगे।

आज से शुरू होगा छठ पूजा का चार दिवसीय पवित्र पर्व, बाजार में बिकता सूप दउरा आदि सामग्री

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में छठ पूजा सूर्यदेव और छठी मैया की उपासना का चार दिवसीय महापर्व है आज नहाए खाए के साथ शुरू होगा और उदय अर्घ्य तक चलेगा जिसको लेकर बाजार में चहल-पहल है। पहला दिन 'नहाय-खाय' कहलाता है, जो पूरे व्रत की नींव रखता है। बता दें कि इस छठ पूजा में नहाय-खाय 25 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पवित्र स्नान के बाद शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। नहाय-खाय पर व्रती सुबह सूर्योदय से पहले पवित्र जल से स्नान करते हैं। घर लौटकर मिट्टी के नए बर्तनों में चना दाल, कद्दू की सब्जी और चावल का प्रसाद बनाते हैं। लहसुन-प्याज रहित यह भोजन व्रती और परिवार के सदस्य ग्रहण करते हैं।

प्रसाद बनाने से पहले घर की पूरी सफाई की जाती है। यह दिन छठ व्रत की शुद्धता का प्रतीक है।

मान्यता है कि नहाय-खाय से छठी मैया का आगमन शुरू होता है। स्नान शरीर और मन की शुद्धि करता है। जबकि शाकाहारी भोजन सात्विकता लाता है। कहा जाता है कि इस दिन से व्रती का शरीर मंदिर बन जाता है, जिसमें मैया निवास करती हैं। नहाय-खाय बिना व्रत अधूरा माना जाता है। यह दिन सूर्यदेव को धन्यवाद देने का भी है, जो जीवन शक्ति प्रदान करते हैं। नहाय-खाय परिवार को एकजुट करता है। सभी सदस्य मिलकर प्रसाद बनाते और ग्रहण करते हैं। यह दिन संतान सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना का प्रारंभ है। लोकगीतों और व्रत कथा के साथ यह पर्व सामाजिक बंधन मजबूत करता है। वैज्ञानिक महत्वः वैज्ञानिक दृष्टि से नहाय-खाय स्वास्थ्यवर्धक है। पवित्र जल से स्नान करने पर बैक्टीरिया और विषाणुओं को दूर करता

कार्यकताओं और पत्रकारों के साथ भाजपा की दिवाली: उत्तम कुमार

वसई रोड। वसई स्थित जिला परिषद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दिवाली के अवसर पर भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रकोष्ठ और प्रतीक्षा फाउंडेशन की ओर से एक विशेष साड़ी उपहार कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आशा कार्यकताओं और पत्रकारों के योगदान को सम्मानित करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक स्नेहा दुबे पंडित और धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक महासचिव श्रमिक नेता अभिजीत राणे थे। विशेष अतिथियों में पूर्व नगरसेवक प्रदीप पवार, शेखर धुरी, विजेंद्र कुमार, नंदकिशोर पवार, छोटू आनंद, राजू इसाई, प्रकाश जाधव सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर वसई तालुका के पत्रकारों विजय देसाई, संजय मिश्रा, योगेश लोयलेकर,

सुजाता लोयलेकर, विजय माने, विजय खेतले, कैलाश रंगनेकर, सोनल महादिक, बी.के. पांडे, रामजी त्रिपाठी, भगवंत भाई, अनिल विश्वकर्मा, अशोक वाघमारे, फरीद शेख, शिवम मिश्रा, मच्छिंद्र चव्हाण, रवींद्र चव्हाण, स्नेहा विश्वकर्मा, मुकेश वाघेला का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. दराडे, अरुण सावंत, एडवोकेट मोहन राव, साईराज पवार, सुरेश नायर, पंकज करोडे सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा दिवाली की असली सुबह हमारे समाज की स्वास्थ्य सेवा में दिन-रात काम करने वाली आशा कार्यकताओं का सम्मान करना है। पत्रकार समाज को आईना दिखाने का काम करता है, इसलिए वह देश का चौथा स्तंभ है। अभिजीत राणे ने कहा धड़क कामगार यूनियन समाज के लिए काम करने वालों के साथ खड़ी है। हमारा लक्ष्य श्रमिकों, आशा कार्यकताओं और सामाजिक समूहों का सम्मान करना है। उत्तम कुमार ने कहा सामाजिक प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए प्रतीक्षा फाउंडेशन के माध्यम से दिवाली मनाना ही समाजसेवा की सच्ची भावना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिद्धेश तावड़े, ऋषि वोरानी, बाला सावंत, प्रणिल कोप्पिकर, मनोज शर्मा, एच.आर. सक्सेना, निशांत शर्मा, शेमल अजगिया और कविता पाटिल सहित टीम ने विशेष योगदान दिया।

भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक पर्व भाईदूज जनप्रहार फाउंडेशन ने हर्षोल्लास से मनाया

मुंबई। बहन और भाई के स्नेह, आशीर्वाद तथा सुरक्षा के प्रतीक का पर्व भाईदूज गुरुवार को देर शाम तक पूरे हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। सामाजिक संस्था जनप्रहार फाउंडेशन₹ की ओर से अंधेरी (पूर्व) के पारसी पंचायत रोड स्थित संस्था कार्यालय पर एक स्नेहिल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल बड़ी संख्या में बहनों को भेंट स्वरूप उनके जरूरत की सामानों को वितरित कर सम्मानित किया गया। इस दौरान बहनों ने भी संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एड. रविकांत शुक्ला को तिलक कर आरती उतारी और उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर एड. शुक्ला ने सभी बहनों का सम्मान करते हुए कहा कि, भाईदूज भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की मयार्दा और परस्पर स्नेह का

अद्भुत उदाहरण है। यह पर्व समाज में प्रेम, एकता और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करता है। कार्यक्रम में शामिल बड़ी संख्या में बहनों को संस्था की ओर से आयुर्वेदिक सौंदर्य प्रसाधन सामग्रियों के साथ-साथ अन्य आवश्यक वस्तुएं भेंटस्वरूप प्रदान की गईं। पूरे कार्यक्रम का माहौल सौहार्द, स्नेह और पारिवारिक अपनत्व से ओत-प्रोत रहा। इस अवसर पर जनप्रहार फाउंडेशन की महिला विभाग प्रमुख तरुणा कुंभार, सविता कुंभार, वैशाली अंबुरे, आशा करकेरा, काजल मकवाना, विद्या कदम, निर्मला कोचरे, रुचि पाटणकर, साक्षी इसवलकर, रेशमा, पांचाल, सुषमा कदम, तृप्ति पांचाल, पल्लवी अवेरे, स्मिता घरत, नीलम सिंह,बराधा पाण्डेय और रीता सहित बड़ी संख्या में बहने उपस्थित थीं।

इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
डा. शाहनवाज़ इस्माईल
डॉ. शहला मुसर्रत
Call: 9044644776, 9580978774

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ھاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
NOBLE HOSPITAL AND RESEARCH CENTRE
डा. शारिक नदीम
M.B.B.S., MD
FICC (Cardiology)
फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार
M.B.B.S., M.I.M.A
जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद
B.U.M.S.CCH (Indore)
N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
◆ शुगर की जाँच
◆ HbA1c की जाँच
◆ हड्डी की जाँच (BMD)
◆ नस की जाँच (Neuropathy)
◆ फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
◆ यूरिक एसिड
◆ कोलेस्ट्राल की जाँच
◆ थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

किआ इंडिया ने कारों की वारंटी 7 साल तक बढ़ाई

मुंबई। देश की अग्रणी प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी किआ इंडिया ने अपने एक्सटेंडेड वारंटी प्रोग्राम को 5 साल से बढ़ाकर 7 साल तक कर दिया है। यह अवधि वाहन की डिलीवरी की तारीख से लागू होगी। यह पहल ग्राहकों को बेहतर स्वामित्व अनुभव और दीर्घकालिक भरोसा एवं सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। नई 7-साल की एक्सटेंडेड वारंटी किआ सेल्टोस, सोनेट, साइरस और कैरेंस के नए एवं मौजूदा दोनों ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। जिन ग्राहकों के पास पहले से 5-साल की वारंटी है, वे इसे 5+2 वर्ष की योजना में अपग्रेड कर सकते हैं, जिसकी शुरूआती कीमत 32,170 रुपये (कर रहित) है। नए ग्राहकों के लिए 7-साल की एक्सटेंडेड वारंटी 47,249 रुपये (कर रहित) से शुरू होती है। यह सुविधा देशभर के किसी भी अधिकृत किआ डीलरशिप से प्राप्त की जा सकती है। किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एवं मार्केटिंग) श्री अतुल सूद ने कहा, किआ इंडिया अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट अनुभव और पूर्ण मानसिक शांति का भरोसा देने के लिए प्रतिबद्ध है। नए और मौजूदा ग्राहकों के लिए वारंटी अवधि को 7 साल तक बढ़ाकर हम अपनी गाड़ियों की गुणवत्ता और मजबूती पर विश्वास जताते हैं और अधिकृत सर्विस नेटवर्क के माध्यम से सतत सहयोग सुनिश्चित करते हैं। यह पहल हमारे प्रत्येक ग्राहक को लंबी अवधि तक मूल्य और श्रेष्ठ अनुभव प्रदान करने के हमारे वादे का प्रतीक है। विभिन्न पहलों और विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से किआ इंडिया निरंतर अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के अपने वादे को निभा रही है। यह एक्सटेंडेड वारंटी न केवल शांति और भरोसे का आश्वासन देती है, बल्कि रख-रखाव की लागत को नियंत्रित रखती है और भविष्य में वाहन की रीसेल वैल्यू को भी सुरक्षित बनाती है।

विहिप के मिलिंद परांडे का ऐलान, काशी-मथुरा के लिए होगा जन-जागरण

***धर्मनिष्ठ समाज ही सशक्त भारत की आधारशिला, विहिप कार्यकर्ताओं का संकल्प, ह्यघर-घर हिंदू जागरण, हर दुकान पर शुद्धता का अभियान**

***धर्म आधारित अर्थव्यवस्था ही आत्मनिर्भरता की जड़ : मिलिंद**

-सुरेश गांधी

वाराणसी. विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि अयोध्या के बाद अब काशी और मथुरा की बारी है। बहुत शीघ्र परिषद इन दोनों पवित्र स्थलों के लिए विशेष जनजागरण अभियान चलाने जा रही है। हिंदू समाज को अब अपने अस्तित्व और आस्था के संरक्षण के लिए एकजुट होकर खड़ा होना होगा। यह बातें वह इंग्लिशियालाइन स्थित नंदकिशोर रुंगटा हिंदू भवन में शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के नए कार्यालय का लोकार्पण कार्यक्रम के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही.

संगठन महामंत्री ने कहा कि विहिप का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज के आर्थिक, सांस्कृतिक और नैतिक पुनर्जागरण का भी नेतृत्व कर रही है। उन्होंने कहा हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे घरों में जो वस्तुएं आती हैं, वे उन्हीं लोगों के हाथों से आएं जो हमारी आस्था का सम्मान करते हैं। शुद्धता केवल भोग की नहीं, बल्कि भाव की भी होनी चाहिए। इसलिए विहिप अब शुद्धता से श्रद्धा तक अभियान के अंतर्गत समाज को यह प्रेरणा देगी कि हिंदू अपने ही धर्म के लोगों से वस्तुएं और सेवाएं लें, ताकि राष्ट्र की आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार अपने समाज की एकता से मजबूत हो।

काशी-मथुरा हमारा सांस्कृतिक स्वाभिमान

मिलिंद परांडे ने कहा कि जिस प्रकार राम मंदिर आंदोलन ने हिंदू समाज को नई चेतना दी, उसी तरह काशी और मथुरा से जुड़ी भावनाएं भी भारत के करोड़ों हिंदुओं के आत्मसम्मान की प्रतीक हैं। उन्होंने कहा काशी विश्वनाथ धाम का भव्य रूप अपने आप में हिंदू संस्कृति के जागरण का प्रतीक है। अब समय है कि काशी और मथुरा को भी उनके गौरवपूर्ण स्वरूप में स्थापित किया जाए। इस दिशा में विहिप शीघ्र जनजागरण, संपर्क और सामाजिक संवाद का राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू करेगी।

घर-घर जागरण, समाज के हर वर्ग से संवाद

परिषद द्वारा बनाए गए इस नए कार्यालय को हिंदू संगठनों के समन्वय और सामाजिक संपर्क का केंद्र बताया गया। परांडे ने कहा कि यह भवन केवल ईंट-पत्थरों से नहीं बना, बल्कि यह हिंदू समाज की एकता और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विहिप के कार्यकर्ता आने वाले समय में घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उन्हें अपने धर्म, संस्कृति, और परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि काशी के नंदकिशोर रुंगटा हिंदू भवन से उठी यह नई चेतना अब देश के हर कोने तक पहुंचेगी, जहाँ धर्म, संस्कृति और स्वाभिमान का दीप एक साथ जल उठेगा।

भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने का संकल्प

कार्यक्रम में उपस्थित संत-महात्माओं और विहिप पदाधिकारियों ने भी भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को दोहराया। परांडे ने कहा कि ह्लभारत तभी विश्वगुरु बनेगा, जब हिंदू समाज धर्मनिष्ठ, आत्मनिर्भर और एकजुट होगा। इसके लिए विहिप का हर कार्यकर्ता गाँव-गाँव, नगर-नगर जाकर समाज में चेतना का दीप प्रज्वलित करेगा।ह्व इस अवसर पर विहिप के क्षेत्रीय मंत्री सुधांशु त्रिवेदी, प्रांत संगठन मंत्री अशोक तिवारी, काशी प्रांत अध्यक्ष डॉ. विजय पांडे, सहित अनेक संत, महंत, और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नवनिर्मित भवन का लोकार्पण विधिवत पूजन-अर्चन के बाद किया गया। पूरे कार्यक्रम में जय श्रीराम और हर हर महादेव के उद्घोष से वातावरण गूंज उठा।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, पत्रकार उत्पीडन एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्याग्रह आन्दोलन का 1537वाँ दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ' 24 अक्टूबर 2025। सत्याग्रह आन्दोलन के 1537वें दिन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, भ्रष्टाचार, जनसुनवाई पोर्टल पर फर्जी निस्तारण, पत्रकार उत्पीडन एवं सिरकोनी बाजार (इजरी) की भीषण डकैती काण्ड के अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में ह्यसत्याग्रह आन्दोलनह्य जारी रहा। सत्याग्रह आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त ने बताया कि 9 अगस्त 2021 से यह आन्दोलन चलाया जा रहा है। यह आन्दोलन राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अधिग्रहण घोटाले के विरूद्ध चलाया जा रहा है। आगे यह भी कहा कि यह आन्दोलन जाँच के मुख्य बिन्दुओं पर कायम रहते हुए समस्या के निस्तारण तक जारी रहेगा। आन्दोलन के समर्थन में राम बहाल यादव, विजय प्रताप सिंह, बिहारी लाल यादव, प्रमोद कुमार पाण्डेय, अमरेश पाण्डेय, विजय प्रकाश मिश्र, आदित्य नारायण शर्मा, राम नगीना यादव, नन्दलाल रावत,उदय प्रताप सिंह, प्रेम प्रकाश मिश्र, प्रमोद कुमार राय व अन्य लोग उपस्थित रहे।

नाव डूबने से 14 प्रवासियों की मौत, मची चीख पुकार

नेशनल डेस्कः तुर्की के अंकारा के निकट एजियन सागर में शुक्रवार को एक नाव डूबने की घटना ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। नाव में सवार 18 प्रवासियों में से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग बच गए और दो अन्य अभी भी लापता हैं। तुर्की अधिकारियों ने बताया कि राहत-बचाव कार्य जारी है और बचे हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुसार, 2025 में इस क्षेत्र में अब तक 200 से अधिक नाव डूबने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें 500 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

हादसा मुगला प्रांत के बोडरम तटीय शहर से रवाना होने के 10 मिनट बाद हुआ। नाव में पानी भरने लगा और प्रवासियों की जान जोखिम में पड़ गई। लापता लोगों की खोज के लिए चार तटरक्षक नौकाएं, एक गोताखोर दल और हेलीकॉप्टर तैनात किया गया। इस हादसे में एक अफगान नागरिक भी शामिल था। अधिकारियों ने कहा कि खोज-बीन जारी है और गोताखोरों की सहायता से लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

दिवाली पर भी जाति का जहर, दलितों के बच्चों मे पटाखे क्या चलाए, नाराज हो गया ठाकुर परिवार

सागर। दीपावली एक ऐसा उत्सव है जो सारे देश को एक-दूसरे से जोड़ता है और देशवासी सारे दुख भूलकर इसको प्रेम और एकता से साथ मनाते हैं, लेकिन सागर से एक ऐसा मामला सामने आया है जो बेहद हैरान करने वाला है। दरअसल केसली में दलितों के बच्चों ने पटाखे क्या चलाए सवर्ण परिवार नाराज हो गया और मामला मारपीट तक जा पहुंचा। महिलाओं ने पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है और इंसाफ की गुहार लगाई है।

दरअसल केसली थाना क्षेत्र में रहने वाले दलित परिवार की महिलाओं ने एसपी से शिकायत की है और कहा है कि उनके बच्चों ने पटाखे चलाए, जिस पर ठाकुरों ने घर में घुसकर गालियां दी और मारपीट की है। शिकायत में कहा है कि हमारे दलित परिवारों के बच्चे दिवाली पर पटाखे फोड़ रहे थे, जिससे गांव का ठाकुर परिवार नाराज हो गया। मामला इतना खराब हो गया कि हमारे घरों में घुसकर मारपीट की ।दलित समुदाय की महिलाओं का कहना है कि केसली गांव में महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार किया जा रहा है। इसलिए कोई ये बता दे कि ?केसली गांव में दलित परिवारों की महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए कहां छिपना चाहिए? एक वीडियो में कहा गया है कि घरों में घुसकर छेड़छाड़ की जा रही है, इसलिए सरकार ये बताए कि हमें अपनी सुरक्षा के लिए कहां छिपना चाहिए, क्योंकि लाडली बहनें यहां सुरक्षित नहीं हैं। लिहाजा पुलिस ने मामले में जांच करने की बात कही है।

पति के लिए कानपुर से कटनी पहुंची पत्नी, बोली- कटनी की महिला ने पति को फांस रखा है

कटनी। कटनी से एक संगीन मामला सामने आया है, जहां पर पति-पत्नी और वो की कहानी जटिल स्थिति में पहुंच गई है। दरअसल कानपुर की एक महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति को कटनी की एक महिला ने फांस लिया है और अब उसे छोड़ने के लिए 2 करोड़ रुपये का मांग की जा रही है।

पीड़िता महिला का कहना है कि उनकी शादी सही से चल रही थी लेकिन जब से ये कटनी की ये महिला पति की जिंदगी में आई तब से सारी समस्या पैदा हो गई है। महिला अब पति को छोड़ने के लिए 2 करोड़ की मांग करती है और कहती है कि न तुम इतनी रकम दे पाओगे और न ही पति को ले जा पाओगे। वही पत्नी का कहना है कि उन्हें ये भी पता नहीं है कि उनके पति कहां रह रहे हैं। पीड़ित पत्नी का कहना है कि तीन सालों से उसका पति उनके पास नहीं लौटा है। कल्पना का ये भी कहना है कि आरोपी महिला रोशनी और उसके परिवार ने उन पर अपने पति से तलाक देने का दबाव भी बनाया था। वहीं पत्नी कल्पना के ससुर ब्रह्मानंद का कहना है कि आरोपी महिला रोशनी और उसका परिवार ने उनके बेटे को बिल्कुल अपने काबू में रखा है। बेटा न तो पत्नी से न ही अपने माता-पिता से, या किसी और रिश्तेदार से संपर्क नहीं कर रहे हैं।

महिला कल्पना पाठक अपने ससुराल वालों के साथ कटनी पहुंची है और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार डेहरिया से पति आशुतोष कुमार मिश्रा को सुरक्षित वापस दिलाने की गुहार लगाई है। लिहाजा एएसपी संतोष कुमार ने महिला की शिकायत पर जांच की बात कही है लेकिन महिला उसके पति से कोई पैसा मांग रही है इस पर कुछ नहीं कहा है। एएसपी का कहना है कि हर दावे और धमकी की जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

आदर्श अग्रसेन अग्री युवा मंडल का दिवाली कार्यक्रम आयोजित

माटुंगा, मुंबई। आग्री-कोली समुदाय के उत्थान के लिए कार्यरत आदर्श अग्रसेन अग्री युवा मंडल का दिवाली विशेषांक 2025 प्रकाशन समारोह श्री मारुई गावदेवी मंदिर माटुंगा, मुंबई में आयोजित किया गया। दिवाली से पहले इस विशेषांक का प्रकाशन - इस मंडल ने आदर्श अग्रसेन पत्रिका के संस्थापक एवं संपादक स्वर्गीय प्रमोद ठाकुर द्वारा शुरू की गई 29 वर्षों पुरानी परंपरा को जारी रखा है। इस प्रकाशन समारोह के अवसर पर आदर्श अग्रसेन पत्रिका के कार्यकारी संपादक नरेंद्र म्हात्रे, संस्था के संस्थापक रवींद्र नाइक, श्री मारुई गावदेवी मंदिर माटुंगा के निदेशक रमेश गावंड, वर्ष 2022, 2023, 2024 के दिवाली विशेषांकों का आवरण तैयार करने वाली अदिति भूषण पाटिल, वर्ष 2025 के दिवाली विशेषांक का आवरण तैयार करने वाली रसिका कल्पेन गावंड, आदर्श अग्रसेन अग्र युवा मंडल के महासचिव अमित नागावकर, कोषाध्यक्ष महेंद्र पाटिल उपस्थित थे। यह दिवाली अंक अग्र समाज के लेखकों के लिए एक मंच है। इस अंक के माध्यम से आगरी साहित्य (लेख, कहानी, कविता, व्यक्तिगत फीचर आदि) प्रकाशित किया जाता है। इन लेखकों को विधिवत सम्मानित किया जाता है। समाज के गणमान्य लोग इस अंक के लिए विज्ञापन देते हैं। उनके सहयोग से अंक का प्रकाशन आसान हो जाता है। अग्रसेन पत्रिका के स्थानीय विक्रेता दिलीप पाटिल, नरेंद्र म्हात्रे, मंडल सचिव अनिल मोकल, प्रवीण पनवलकर ने इस दिवाली विशेषांक को तैयार करने में कड़ी मेहनत की है। इस प्रकाशन समारोह के अवसर पर आदर्श अग्र युवा मंडल के कार्यकारी मंडल के सदस्य दीपक पाटिल, श्रीकांत पाटिल, कल्पना पाटेकर, चंद्रकांत ठाकुर, निखिल मंडकर के साथ-साथ मंडल कार्यकर्ता शेखर म्हात्रे और कई शुभचिंतक उपस्थित थे।

उत्तर भारत के सबसे बड़ा मेला कपालमोचन शुरू, लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

यमुनानगर । उत्तर भारत के सबसे बड़ा और प्रसिद्ध मेला कपालमोचन का आज यमुनानगर के डीसी पार्थ गुप्ता ने पूजा अर्चना कर विधिवत रूप से शुरूआत कर दी है। यह मेला 1 नवंबर से 5 नवंबर तक चलेगा, जिसमें 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। डीसी पार्थ गुप्ता ने बताया कि बताया कि मेले को इस बार 4 जोन में बांटा गया है सुरक्षा की दृष्टि से जगह-जगह कैमरे भी लगे जाएंगे। श्रद्धालुओं को आने जाने में किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए रोडवेज की बसों का भी इंतजाम किया गया है। डीसी पथ गुप्ता ने बताया कि पंजाब में आई त्रासदी का कपाल मोचन मेल पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जिस तरह से पंजाब के श्रद्धालु कपाल मोचन मेले में आते हैं इस बार इस तादाद में मेले में पंजाब के श्रद्धालु शिरकत करेंगे। कपाल मोचन मेला का इतिहास बहुत ही पुराना और रोचक है। कपाल मोचन का संबंध पांडव और कौरवों से है। गुरु गोविंद सिंह के साथ भी कपाल मोचन का पुराना इतिहास है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह की माता हर साल कपालमोचन मेले में श्रद्धालुओं की डूबकी लगाने के लिए आती है। इस मेले की तैयारी एक महीने पहले से शुरू हो जाती है।

कपूर्री ग्राम पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री मोदी संग जननायक को दी श्रद्धांजलि

पटना। समस्तीपुर के कपूर्री ग्राम में आज एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में शुचिता, सादगी और सामाजिक न्याय के लिए कपूर्री ठाकुर जी का योगदान अमिट है। वह हम सभी के प्रेरणास्रोत हैं और उनकी नीतियों पर चलना ही हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने हमेशा कपूर्री ठाकुर जी को भारत रत्न देने की मांग की थी, लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा ह्न ह्लप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने ही कपूर्री ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित कर उनकी विरासत को अमर कर दिया।

नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि आज कुछ लोग खुद को जननायक घोषित कर, असली जननायक कपूर्री ठाकुर जी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि

राजद और महागठबंधन का ऐसे लोगों के साथ मौन समर्थन शर्मनाक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 नवंबर 1978 को तत्कालीन मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर जी ने पिछड़ों और अति पिछड़ों के लिए आरक्षण लागू कर सामाजिक न्याय की नींव रखी थी। उन्होंने बताया कि पिछड़ों को 8% और अति पिछड़ों को 12% आरक्षण का प्रावधान उसी समय किया गया था। नीतीश कुमार ने कहा मैंने हमेशा कहा है कि इस आरक्षण में कोई छेड़छाड़ होगी तो हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 में सत्ता संभालने के बाद, उन्होंने पंचायतों में महिलाओं और अति पिछड़ों को आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इससे लाखों महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला और समाज में उनका सम्मान बढ़ा। उन्होंने कहा कि हम न्याय के साथ विकास की नीति पर लगातार काम कर रहे हैं, ताकि वंचित तबकों को सशक्त बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार कपूर्री ठाकुर जी के सपनों को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ह्लहम वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक योजनाओं को लागू कर चुके हैं और आगे भी यही प्रयास जारी रहेगा।

लुधियाना में डेंगू का प्रकोप, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की रिपोर्ट

लुधियाना ।पिछले कुछ समय से महानगर में डेंगू का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। अब तक प्रमुख अस्पतालों से सैकड़ों मरीज सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 258 मरीजों में डेंगू की पुष्टि की है। इसके अलावा विभिन्न अस्पतालों में 7 मरीजों की डेंगू से मौत बताई जा रही है, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने सभी मृतकों को संदिग्ध श्रेणी में रखा है और इसकी रिपोर्ट डेंगू डेथ रिव्यू कमेटी में भेजने की बात कही है। जिला मलेरिया ऑफिसर, डॉक्टर शीतल नगर नारंग ने कहा कि कुछ मरीजों की डेंगू से मौत हुई है, परंतु उन्हें संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है। सही संख्या का विवरण रिव्यू कमेटी की रिपोर्ट के बाद सार्वजनिक किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जब से डेंगू के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है, स्वास्थ्य विभाग में इसकी रिपोर्ट दबा कर रखी जाने लगी है। सिविल सर्जन, डॉक्टर रमनदीप कौर ने संपर्क करने पर बताया कि वह अवकाश पर हैं और सोमवार को ही डेंगू की सही स्थिति के बारे में जानकारी दे सकती हैं। सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप कौर ने बताया कि हर शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घरों, स्कूलों, कार्यालयों, अस्पतालों और बाजारों में जाकर डेंगू की रोकथाम के लिए जाँच करती हैं। उन्होंने कहा कि डेंगू का मच्छर केवल साफ पानी में ही पनपता है, इसलिए जहाँ भी सात दिनों से ज्यादा पानी जमा रहता है, वहाँ डेंगू का मच्छर पनप सकता है। इसलिए हर शुक्रवार को घरों की अच्छी तरह जाँच करनी चाहिए, जैसे कूलर, गमले, छतों पर रखी टंकियाँ, पुराने टायर और कबाड़ का सामान आदि। पानी जमा न होने दें और घरों के आसपास जमा पानी की सफाई करें।

जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. बबीता ने बताया कि डेंगू मच्छर दिन के समय काटते हैं, इसलिए बच्चों को स्कूल जाते समय शरीर को पूरी तरह से ढकने वाले कपड़े पहनने चाहिए। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें स्कूलों में बच्चों के लिए जागरूकता व्याख्यान, रैलियाँ और पोस्टर प्रदर्शन कर रही हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के मास मीडिया विंग के जिला मास मीडिया अधिकारी परमिंदर सिंह और जिला बीसीसी कोऑर्डिनेटर बरजिंदर सिंह बराड़ ने आज डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में जाकर आम जनता को जागरूक किया और जांच के दौरान पाए गए मच्छरों के लार्वे को मौके पर नष्ट कर दिया।

मायके वालों का ससुराल पक्ष पर आरोप: खुशबू राजपुरोहित को दे डाला जहर,

जोधपुर। ससुरालपक्ष से प्रताड़ित खुशबू राजपुरोहित की अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है पिछले दो दिन से खुशबू राजपुरोहित का जोधपुर के मथुरादास माथुर हास्पिटल में इलाज चल रहा था. खुशबू के घरवालों ने आरोप लगाया है कि खुशबू को जहर दिया गया था. कल रात को ही खुशबू के घरवालों ने जोधपुर के महामंदिर पुलिस स्टेशन में खुशबू के ससुरालवालों के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी. इस मामले कि जांच जोधपुर सिटी पुलिस के एसीपी प्रतीक सिंह कर रहे हैं. खुशबू राजपुरोहित कि शादी 2 साल पहले पिलोवनी गांव के हर्षित सिंह पुत्र चंदन सिंह के साथ हुई थी. इस मामले को लेकर मायके पक्ष का आरोप है कि खुशबू का दो साल पहले विवाह हुआ था. शादी के बाद खुशबू को लगातार ससुराल पक्ष की ओर से परेशान किया जा रहा था और दो दिन पूर्व खुशबू को जहर दे दिया गया. उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां आज सुबह खुशबू राजपुरोहित ने अंतिम सांस ली. खुशबू का ससुराल महामंदिर पुलिस पुलिस स्टेशन क्षेत्र के बीजेएस कॉलोनी है खुशबू का विवाह पिलोवनी गांव के हर्षित सिंह पुत्र चंदन सिंह जो कि हाल में जोधपुर में रहते हैं पीहर पक्ष का आरोप है कि दहेज की मांग के चलते पढ़े-लिखे परिवार द्वारा अमानवीय कृत्य हमेशा किया जाता था. पूरे मामले की जांच एसीपी प्रतीक सिंह को सौंपी गई है।

नंदकिशोर रुंगटा हिंदू भवन से उठी एक नई ज्योति

***हिंदू समाज के समक्ष नई चुनौतियां, पर चेतना का नवसूर्योदय भी**

*** मिलिंद परांडे बोले, हिंदू एकता ही भारत की आत्मा का स्वभाव है**

-सुरेश गांधी

वाराणसी. जहां गंगा प्रवाहित होती हैं, वहां धर्म की धारा भी सदैव जीवंत रहती है। इसी पावन काशी में शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के नव-निर्मित कार्यालय ह्यनंदकिशोर रुंगटा हिंदू भवनह्ण का लोकार्पण विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुआ। मंगलघोष, वेदमंत्र और पुष्पवर्षा के मध्य यह आयोजन केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि हिंदू चेतना के एक नये अध्याय का उद्घोष प्रतीत हुआ। यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि हिंदू समाज की चेतना का केंद्र है। खास यह है कि काशी के इस नवनिर्मित नंदकिशोर रुंगटा हिंदू भवन से वह विचारधारा फूटती दिखी, जो कहती है, हम केवल इतिहास के उत्तराधिकारी नहीं, भविष्य के निमार्ता हैं।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय

महामंत्री (संगठन) मिलिंद परांडे ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने ओजस्वी संबोधन में उन्होंने कहा, यह भवन केवल निवास का स्थान नहीं, बल्कि राष्ट्र और धर्म के प्रति समर्पण का केंद्र बनेगा। यह किसी व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि समाज की साझी आस्था का प्रतीक है। इसकी व्यवस्थाएं हमारी नागरिक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा कि सैकड़ों वर्षों के उपरांत हिंदू धर्म और संस्कृति के लिए अनुकूल वातावरण बना है, किन्तु चुनौतियां अब भी विद्यमान हैं। जो स्वयं को हिंदू-विरोधी मानते हैं, उनकी राजनीतिक शक्ति भले क्षीण हुई हो, परंतु वे अब समाज में भ्रम और हिंसा का वातावरण निर्माण कर रहे हैं। हमें अपने कर्म और आचरण से सिद्ध करना होगा कि हम हिंदू हैं, और यही हमारी पहचान है।

हिंदू हिंदू से कैसे लड़े? प्रश्न जो आत्मचिंतन बन गया

परांडे ने अपने भाषण में समाज को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ शक्तियां हिंदू समाज को जाति, पंथ और क्षेत्र के आधार पर विभाजित करने का षड्यंत्र रच रही हैं। आज आवश्यकता है कि हम संप्रदाय से ऊपर उठें और एक सूत्र में बंधें। हिंदू हिंदू से कैसे लड़े? यह प्रश्न हमारे आत्मचिंतन का केंद्र बनना चाहिए। हमें इन विभाजक प्रवृत्तियों को पहचानना और रोकना होगा। उन्होंने जनसंख्या असंतुलन और घटती प्रजनन दर को भी गंभीर चुनौती बताते हुए कहा, जो वर्ग समाज को पोषण देने में सक्षम है, वहीं जन्मदर में तीव्र गिरावट दिख रही है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ी सामाजिक खाई का रूप ले सकता है।

केंद्रीय महामंत्री ने सीमावर्ती देशों से आ रहे ड्रग्स के दुष्चक्र को राष्ट्र और समाज के लिए घातक बताया। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, म्यांमार और थाईलैंड से हमारे किशोरों को लक्ष्य बनाकर ड्रग्स भेजे जा रहे हैं। एक वर्ष में 40 हजार करोड़ रुपये का नशा पकड़ा गया है, यह केवल अपराध नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों को नष्ट करने की सुविचारित साजिश है। उन्होंने कहा कि गौ-हत्या, धर्मांतरण और मंदिर अधिग्रहण जैसी गतिविधियां हिंदू समाज के अस्तित्व पर आघात हैं। उन्होंने दृढ़ स्वर में कहा, हमें धर्म और संस्कृति के अपमान को कभी स्वीकार नहीं करना चाहिए.

परांडे ने सामाजिक समरसता, पर्यावरण और नागरिक कर्तव्यों पर भी बल देते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब धर्म केवल मंदिर की परिधि में न रहकर समाज की जीवनशैली बने। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म का अर्थ केवल पूजा नहीं, बल्कि अनुशासन, सेवा और सजगता का जीवन है। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में संगठन के उद्देश्यों, समाज की अपेक्षाओं और सांस्कृतिक चेतना पर खुला संवाद किया. महंत रविदास मठ के भारत भूषण जी ने कहा, विश्व हिंदू परिषद ने सदैव हिंदू समाज के जागरण और सांस्कृतिक संरक्षण का कार्य किया है। ऐसे संगठनों की बदौलत आज भारत की संस्कृति विश्वभर में आदर पा रही है। पूजन, स्वास्तिक एवं मंगलाचरण संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्यों द्वारा सम्पन्न हुआ। भवन निर्माण में सहयोग देने वाले प्रवीण रुंगटा, अमित अग्रवाल और नवीन रुंगटा का सम्मान मंच पर किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सह महामंत्री (संगठन) विनायक राव देशपांडे, राधेश्याम द्विवेदी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री (पूर्वी उत्तर प्रदेश) गजेंद्र जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत प्रचारक रमेश जी, प्रांत संगठन मंत्री नितिन जी, प्रांत अध्यक्ष कविन्द्र प्रताप सिंह, प्रांत मंत्री डॉ. राज नारायण सिंह, प्रांत सह मंत्री सत्य प्रकाश सिंह, विभाग मंत्री कन्हैया सिंह, राजेश पांडे, राजेश सिंह, पवन पाठक, देवेश सिंह, विपुल कुमार पाठक, हरिताभ सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सनराइज मसाले ने छठ कंपैनियन व्हाट्सएप बॉट को फिर से किया पेश

गया। आईटीसी लिमिटेड के सनराइज मसाले ने अपने गौरवशाली अभियान ऊर्जा का वरदान को जारी रखा है, जो छठ पूजा की आस्था, भक्ति और ऊर्जा को समर्पित है। आईटीसी सनराइज मसाले के बिजनेस हेड पीयूष मिश्रा ने कहा कि अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष सनराइज के ऊर्जा का वरदान अभियान का विषय श्रद्धालुओं को छठ पूजा की उत्पत्ति तक ले जाता है, जहां पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही भक्ति, अटूट विश्वास और अडिग श्रद्धा की पवित्र कहानियों को साझा किया गया है। इन कहानियों को जीवंत रूप देने के लिए आईटीसी सनराइज मसाले ने दो नई रचनात्मक प्रस्तुतियां पेश की हैं।